सतना
01 अगस्त 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

यूपी में गंगा का पानी हाईवे तक पहुंचा

गुजरात-उराखंड में स्कूल बंद, राजस्थान के बाड़मेर में 40डिग्री तापमान; 7 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। यूपी में मानसून फिर से कमजोर पड़ गया है, लेकिन पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के कारण गंगा, घाघरा-सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। वहीं, बिजनौर में गंगा का पानी बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है।

गुजरात में आज सभी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, उत्तराखंड में भी खराब मौसम को देखते हुए बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में भी आज स्कूल बंद हैं। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में गर्मी बढ़ गई है। जैसलमेर, बाड़मेर में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। इसकी वजह पश्चिम की तरफ से आ रही गर्म हवाएं हैं। मध्य प्रदेश में मानसून के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हैं। इसके चलते अगले 2 दिन प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा राजस्थान, बिहार समेत 7 राज्यों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मध्य प्रदेश के खंडवा में टापू पर फंसे 4 लोगों का 11 घंटे बाद रेस्क्यू

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में दो नदियों के बीच बने एक टापू पर चार लोग फंस गए थे। उन्हें करीब 11 घंटे लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। चारों पिकनिक मनाने गए थे। इसी दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ने से वे टापू पर फंस गए। राहत अभियान के दौरान ड्रोन की मदद से उन्हें भोजन पहुंचाया गया।

चुनाव आयुतों की नियुति पर सरकार की दलील

सुप्रीम कोर्ट से कहा- पीएम लोकतंत्र के खिलाफ जाएंगे, यह सोचना गलत

नई दिल्ली,एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत अब यह तय करेगी कि नियुक्ति प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले 2023 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनवाई के लिए पांच सदस्यीय पीठ के पास भेजा जाए या नहीं।

वहीं, इस कानून का बचाव करते हुए केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दलीली दी- यह मान लेना गलत होगा कि चयन समिति में संख्या बल होने के कारण प्रधानमंत्री और मंत्री 'बुरी मंशा' से काम करेंगे या लोकतंत्र के खिलाफ जाएंगे।

केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस

दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ से कहा कि अगर प्रधानमंत्री के फैसले को भरोसे लायक नहीं माना जाएगा, तो क्या कैबिनेट चुनते समय भी उन्हें किसी पूर्व जज या बाहरी व्यक्ति से सलाह लेने की शर्त रखी जाएगी?

यहां प्रधानमंत्री पर भरोसा करने का सवाल नहीं: कोर्ट: सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि अदालत प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं करती, ऐसा सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा- हम प्रधानमंत्री पर भरोसा क्यों नहीं करेंगे? निश्चित रूप से करेंगे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री पर भरोसा जताया था कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को मंत्री नहीं बनाया जाएगा। जस्टिस दत्ता ने कहा कि असली मुद्दा यह है कि चुनाव आयुक्त स्वतंत्र व्यक्ति होना चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या चयन समिति में ऐसे लोग नहीं होने चाहिए, जिससे निष्पक्षता दिखाई भी दे।

हम यह नहीं कह रहे कि इस समिति ने निष्पक्षता हासिल नहीं की, लेकिन अब स्थिति 2:1 की है। प्रधानमंत्री की तरफ दो और विपक्ष की तरफ एक।

नए कानून में चयन समिति में कौन-कौन हैं? 2023 के कानून के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए बनी चयन समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (या सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता) शामिल होते हैं।

चयन प्रक्रिया में CJI को बाहर रखने पर है विवाद: यह कानून दिसंबर 2023 में संसद से पारित हुआ था और 29 दिसंबर 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह कानून सुप्रीम कोर्ट के 2023 के फैसले के खिलाफ है, क्योंकि इसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया से भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को बाहर रखा गया है।

: ब्रीफ बॉस :

पीएम मोदी आज आंध्र प्रदेश और कर्नाटक का करेंगे दौरा

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 01 अगस्त को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगापुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वह कर्नाटक के मैसूर में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र 'विवेक स्मारक' का उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री सुबह करीब 11 बजे भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वह लगभग 11:30 बजे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 5,640 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित इस ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे और भोगपुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वे सभा को संबोधित भी करेंगे।

60 लाख यात्रियों की वार्षिक क्षमता वाले इस हवाई अड्डे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बायोमेट्रिक यात्री प्रसंस्करण, स्वचालित बैगेज प्रणाली और एयरपोर्ट प्रेडिक्टिव ऑपरेशंस सेंटर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है।

ईरान पर हमले रोकने का बिल एक वोट से गिरा

अब राष्ट्रपति को मिलिट्री एक्शन का अधिकार; ट्रम्प के एक सांसद ने वोटिंग नहीं की

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में एक वोट से गिर गया है। गुरुवार को हुई वोटिंग में इसके पक्ष में 49 और विरोध में 50 वोट पड़े। ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान पर हमलों से पहले संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति खुद यह फैसला नहीं ले सकते थे।

ईरान जंग को लेकर विपक्षी सांसद मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद ही ले। ताजा घटनाक्रम के बाद इसे सीनेट में लाने के लिए दोबारा कोशिश करनी होगी।

भारत की 117 प्रभावशाली महिलाओं के पास 39 लाख करोड़

● विरासत से नहीं, अपने दम पर 84% महिलाओं ने खुद खड़े किए साम्राज्य

नई दिल्ली,एजेंसी। दशकों तक भारत की प्रभावशाली महिलाओं की सूची में बिजनेस घरानों की वारिस, प्रमोटर परिवारों और कॉर्पोरेट जगत की दिग्गज हस्तियों का दबदबा रहा। लेकिन अब प्रभाव और सफलता कारोबारी घरानों की विरासत तक सीमित नहीं है।

आंत्रप्रेन्योर, स्टार्टअप फाउंडर, पेशेवर सीईओ से लेकर ओलिंपिक पदक विजेता, पत्रकार, लेखिका, डिजिटल क्रिएटर और एक्टिविस्ट भी इसमें शामिल हैं। 2026 की कैंडेरे हुरुन इंडिया वुमन लीडर्स लिस्ट में इस साल 12 कैटेगिरी में 117 महिलाएं शामिल की गई हैं। साल 2025 में इस लिस्ट में नौ कैटेगरीज में 97 महिलाएं शामिल थीं। मौजूदा लिस्ट में शामिल महिलाएं कुल 39 लाख करोड़ रुपए की वेल्थ का प्रतिनिधित्व करती हैं। एथलीट्स,

पत्रकार, लेखिका भी लिस्ट में किरण शॉ, रोशनी नाडार, फाल्गुनी नायर, निसाबा गोदरेज, प्रिया नायर जैसे बिजनेस लीडर; पीवी सिंधु, मनु भाकर, मैरी कॉम, मीराबाई चानू जैसी एथलीटों के साथ पत्रकार फेय डिसूजा, बरखा दत्त और पालकी शर्मा, लेखिका सुधा मूर्ति, ट्विंकल खन्ना और उद्यमी अनन्या बिड़ला भी हैं। बड़ी बात यह है कि 84% यानी 98 महिलाएं सेल्फ-मेड हैं, जबकि 19 महिलाएं पारिवारिक विरासत के सहारे यहां पहुंची हैं। सूची में सबसे कम उम्र की 19 वर्षीय पैरा-आर्चर शीतल देवी से लेकर सबसे बुजुर्ग 86 वर्षीय आंत्रप्रेन्योर रजनी बेक्टर भी शामिल हैं।

खुद अपनी मेहनत से सफलता हासिल की... हुरुन इंडिया के संस्थापक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा- इन महिलाओं में से 98 ने खुद अपनी मेहनत से सफलता हासिल की है, जो खानदानी रईस महिलाओं से पांच गुना से भी अधिक है। यह अनुपात हमें बताता है कि भारत में नेतृत्व अब विरासत में मिलने के बजाय अर्जित किया जा रहा है।

प्रभाव सिर्फ बैलेंस शीट से नहीं: इस लिस्ट में प्रभाव को बैलेंस शीट से ही नहीं, बल्कि बौद्धिक संपदा, सार्वजनिक भागीदारी, इनोवेशन और सामाजिक प्रभाव से भी मापा गया है। यही वजह है कि 20 ओलिंपिक और पैरालिंपिक पदक विजेता इसमें सबसे बड़ी कैटेगरी बनाते हैं। इनमें से भी 60% पैरा-एथलीट्स हैं।

महाराष्ट्र के भिवंडी में 4 मंजिला बिल्डिंग ढही, 9 मौतें

● मरमत का काम चलते वत हादसा ● 4-5 लोगों के फंसे होने की आशंक

भिवंडी,एजेंसी। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 से 5 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव अभी भी जारी है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग में 48 कमरे थे। हर मंजिल पर 12 कमरे बने हुए थे। निगम ने बिल्डिंग को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया था, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त मरम्मत का काम चल रहा था।

लोग बाहर निकल रहे थे, तभी एक हिस्सा ढहा... एक अधिकारी ने बताया कि गुरुवार रात करीब 9 बजे निवासियों ने इमारत में कुछ जोरदार चटकने की आवाजें सुनीं। किसी अनहोनी के डर से स्थानीय लोगों ने तुरंत कई परिवारों को दूसरी जगहों पर पहुंचाने में मदद की। जब कुछ लोग अभी भी बाहर निकल ही रहे थे, तभी इमारत की बी विंग

बचाव कार्य में जुटी कई एजेंसियां: घटनास्थल पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स , ठाणे रिस्पॉन्स फोर्स और फायर ब्रिगेड की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं।

प्रधानमंत्री ने जताया शोक, मृतक परिजनों के लिए दो-दो लाख की अनुग्रह राशि की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के ठाणे में इमारत गिरने की घटना में लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से हादसे में प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। वहीं, प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी संदेश में कहा कि ठाणे में इमारत गिरने से हुई जनहानि की खबर अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में

प्रधानमंत्री की संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं तथा उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार इस दुख की घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से घोषित अनुग्रह राशि शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी।

भोजशाला के पीछे तय जमीन पर पढ़ी जुमे की नमाज

बैरिकेडिंग की, पुलिस लगाई; स्थानीय लोगों ने जताई थी आपी

धार,एजेंसी। धार में शुक्रवार को जुमे की नमाज भोजशाला परिसर की बाउंड्रीवॉल से सटी खसरा नंबर 612 की जमीन पर पढ़ी गई। इससे पहले प्रशासनिक अमले ने बारिश से गीली जमीन पर तिरपाल बिछाई। पूरे इलाके की बैरिकेडिंग कर दी। इस दौरान पुलिस भी तैनात रही। दरअसल, यहां नमाज पढ़ाने के खिलाफ स्थानीय रहवासियों ने आपत्ति दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा था- जिस जगह नमाज की अनुमति दी गई है, वह हमारी जमीन है। हम लंबे समय से इस पर खेती करते आ रहे हैं। हम यहां नमाज नहीं होने देंगे। यदि

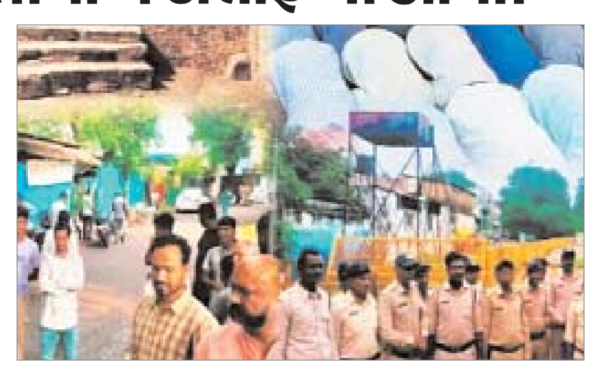

जरूरत पड़ी तो अपने अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत का दरवाजा भी खटखटाएंगे।

तय जमीन से कमाल मौला मस्जिद दिखती है, इसलिए चुना...

कमाल मौला वेलफेयर सोसायटी के प्रतिनिधि अब्दुल समद ने कहा- खसरा नंबर 611 और 612 की जमीन से कमाल मौला मस्जिद सीधे दिखाई देती है, इसीलिए हम यहां नमाज पढ़ने के लिए राजी हुए।

संसद में पप्पू यादव पुजारी बनकर पहुंचे,राहुल ने चंदा दिया

● राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर विपक्ष का प्रदर्शन ● मंत्री जितेंद्र सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस

नई दिल्ली,एजेंसी। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया। सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने दानपेटी में चंदा डाला। साथ ही विपक्षी सांसद बैनर लेकर पहुंचे जिसमें 'अमित शाह संसद से गायब क्यों' लिखा हुआ था।

इधर, लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। 12 बजे दोबारा शुरू होने पर लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 ध्वनि मत से पास हुआ। लोकसभा और राज्यसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं।

वहीं, कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के संसद में दिए गए बयान को लेकर उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया है। सिंह ने कहा था कि जंतर-मंतर और संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग नहीं हुई थी।

लोकसभा में राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस... बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का नोटिस सौंपा है। अनुराग का आरोप है कि राहुल गांधी ने को गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। गंभीर व बेबुनियाद आरोप लगाए।

पीएम मोदी के एआई मॉर्ड वीडियो को लेकर एशन

» मेटा इंडिया हेड समेत कई लोगों पर एफआईआर

हैदराबाद/नोएडा,एजेंसी। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मेटा इंडिया के हेड अरुण श्रीनिवास समेत कई सोशल मीडिया अकाउंट हैंडलर्स के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज की है। मामला पीएम मोदी के ्रढ्ढ मॉर्फ्ड वीडियो से जुड़ा है, जिसे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान शेयर किया गया था।

पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं की शिकायत पर दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। श्रीनिवास को दोनों मामलों में सह-आरोपी बनाया गया है। सोशल मीडिया अकाउंट्स से वीडियो शेयर करने वालों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस एआई मॉर्फ्ड वीडियो बनाने वाले, सबसे पहले अपलोड करने और वायरल करने वालों की जांच कर रही है। साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी कंटेंट रोकने वाले मेटा के सिस्टम और सुरक्षा उपायों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह देखा जा रहा है कि क्या प्लेटफॉर्म का कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम ऐसे वीडियो समय रहते रोकने में सक्षम था या नहीं। जांच

एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क और वीडियो के सोर्स की पड़ताल कर रही हैं।

मेटा को भेजा गया नोटिस: जांच अधिकारी ने बताया कि शिकायतों में बताए गए आपत्तिजनक लिंक के संबंध में मेटा को नोटिस भेजा गया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जरूरी जानकारी जुटा रही है। FIR से पहले मेटा के अधिकारियों को समन भेजकर AI जनरेटेड स्कैम, फर्जी विज्ञापनों और मॉर्फ्ड कंटेंट की पहचान तथा उसे हटाने की व्यवस्था पर जवाब मांगा गया था। FIR के बाद कंपनी के प्रतिनिधि जांच में शामिल हुए और कंटेंट मॉडरेशन व कंप्लायंस सिस्टम की जानकारी दी। हालांकि, मेटा ने इस मामले पर सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया है।

पहले भी विवाद में आया था मेटा: यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब हाल ही में इंस्टाग्राम और फेसबुक पर पीएम मोदी की एक पोस्ट कुछ समय के लिए हट गई थी। बाद में मेटा ने इसे AI मॉडरेशन सिस्टम की तकनीकी गड़बड़ी बताते हुए पोस्ट बहाल कर दी थी।

केंद्र सरकार ने इस स्पष्टीकरण पर असंतोष जताया था और कंपनी से डिटेल में जवाब मांगा था। सरकार का कहना है कि केवल तकनीकी गलती बताना पर्याप्त नहीं है।

मोदी को गाली देने वाली लड़की पर नोएडा में एफआईआर

सीजेपी के प्रोटेस्ट में जंतर-मंतर पहुंची थी; दावा- मॉल में काम करती है

नोएडा,एजेंसी। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन में पीएम मोदी को गाली देने वाली नोएडा की लड़की के खिलाफ जीरो स्नढ्ढक्र दर्ज हो गई है। यह कार्रवाई नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में गाजियाबाद की वकील स्मृति सिंह चंदेल की शिकायत पर हुई। लड़की की पहचान रुचिका सिंह के रूप में हुई है।

गुरुवार शाम 5 बजे स्मृति सिंह ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने कहा- सेक्टर 168 की रहने वाली रुचिका सिंह ने सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री मोदी को गालियां दीं। उसने जानबूझकर ऐसा किया। इससे पीएम की संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची।अब पुलिस प्रदर्शन के दौरान बनाए गए वीडियो, सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप की जांच कर रही है। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनूप खेतान ने भी एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने दावा किया कि रुचिका सिंह वही लड़की है, जिसने 23 जुलाई, 2026 को दिल्ली में पीएम मोदी को गालियां दीं थीं। उन्होंने घटना का वीडियो भी शेयर किया है। लड़की नोएडा के एक मॉल में हेयर कटिंग का काम करती है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, पहली मुलाकात और खत्म हो गई सुनील की जिंदगी; दिल्ली में सनसनीखेज वारदात

नईदिल्ली, एजेंसी। तीन महीने पहले इंस्टाग्राम पर शुरू हुई दोस्ती जब पहली बार मुलाकात तक पहुंची, तो किसी ने नहीं सोचा था कि इसका अंत खून-खराबे से होगा। अविवाहित सुनील अपनी महिला मित्र देवकी से मिलने भारत नगर थाना अंतर्गत खिम्मन सिंह पार्क पहुंचा था। वहां दोनों बातचीत में मशगूल थे कि तभी पहुंचे पांच नाबालिगों ने देवकी पर अश्लील टिप्पणियां करनी शुरू कर दीं। सुनील ने विरोध किया तो आरोपितों ने अचानक चाकू निकाल लिया और ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी।

मुलाकात खूनी वारदात में बदली: पुलिस जांच में सामने आया है कि सुनील और देवकी की पहचान इंस्टाग्राम पर होने के बाद दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला बढ़ता गया और उन्होंने पहली बार आमने-सामने मिलने का फैसला किया।

इसके बाद तय योजना के तहत दोनों पार्क पहुंचे थे, लेकिन कुछ ही मिनटों में यह मुलाकात खूनी वारदात में बदल गई। जांच में यह भी पता चला है कि पांचों नाबालिग अपने साथ दो चाकू लेकर पार्क पहुंचे थे। आपराधिक प्रवृत्ति के आरोपितों की राह चलते लोगों से विवाद व अभद्रता करने की आदत थी। पकड़े गए आरोपितों में कोई आठवीं, तो कोई दसवीं व बारहवीं कक्षा का छात्र है।

एक घंटे में दबोचा गया आरोपित

वहीं, इनमें से एक आरोपित को सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिली जानकारी के बाद महज एक घंटे के भीतर धर दबोचा गया। उसकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपितों को भी देर शाम पकड़ लिया गया, जबकि दो अन्य आरोपित दिल्ली छोड़कर भागने की फिराक में थे। पूछताछ में इस योजना का पता चलते ही पुलिस टीम ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के समीप घेराबंदी कर बाकी दोनों आरोपितों को भी दबोच लिया। पीड़िता देवकी अपने पति को छोड़कर माता-पिता के साथ रहती है, जबकि मृतक सुनील के माता-पिता गांव में रहते हैं।

26/11 हमले के आरोपित तहव्वुर राणा को बेटी से फोन पर बात करने की मिली अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपित तहव्वुर हुसैन राणा को विशेष एनआइए अदालत ने अपनी बेटी से फोन पर बात करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने यह अनुमति वकील नियुक्त करने से जुड़े विषय पर चर्चा करने के लिए दी है। पटियाला हाउस कोर्ट स्थित विशेष एनआईए न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान राणा की अर्जी स्वीकार की। अदालत के आदेश के बाद इसकी प्रति जेल प्रशासन को भेज दी गई है।

डॉ. समराज अख्तर राणा से फोन पर बात करने की अनुमति मांगी: राणा ने अदालत से अपनी बेटी और पत्नी डॉ. समराज अख्तर राणा से फोन पर बात करने की अनुमति मांगी थी। उसने यह भी अनुरोध किया था कि पत्नी के आगामी जन्मदिन पर उनसे बात करने की अनुमती दी जाए। फिलहाल अदालत ने बेटी से बातचीत की अनुमति दी है ताकि निजी वकील नियुक्त करने के संबंध में चर्चा की जा सके।

राणा को पहले भी अपनी बेटी से बात करने की अनुमति दी जा चुकी: मामले से जुड़े एक अधिवक्ता ने बताया कि राणा को पहले भी अपनी

बेटी से बात करने की अनुमति दी जा चुकी है, क्योंकि वकील नियुक्त करने के निर्णय में वही मुख्य भूमिका निभा रही हैं। तहव्वुर हुसैन राणा को 10 अप्रैल 2025 को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। उस पर 26/11 मुंबई आतंकी हमले की साजिश में शामिल होने का आरोप है। शुरुआत में अदालत ने राणा के बचाव के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से एक वकील उपलब्ध कराया था।

बाद में राणा ने अदालत को बताया कि वह अपनी पसंद का निजी अधिवक्ता रखना चाहता है। इसी कारण उसे परिवार से संपर्क करने की अनुमति देने की मांग की गई थी।

सरकार अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी कर सकती सीसीटीवी जैसे प्रतिबंधों का विस्तार, सख्त होगी डिजिटल घेराबंदी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार सीसीटीवी क्षेत्र में लागू प्रतिबंधों को अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में विस्तारित कर सकती है और भारतीय चिप डिजाइनरों को ऐसी प्रौद्योगिकी विकसित करने में सहायता कर सकती है, जो सुरक्षा संबंधी उत्पादों के लिए विश्वसनीय सप्लाई चेन बनाने में सहायक हो। गुरुवार को सेमीकंडक्टर्स पर सीआईआई के कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स और आइटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा

कि देश में चिप्स का उत्पादन करते समय यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है कि उनके लिए एक बाजार मौजूद हो। उन्होंने कहा यह मुख्य रूप से एक सुरक्षा मुद्दा थाॅ कि कई सीसीटीवी कैमरों में चिप्स और अन्य सक्रिय घटक थे जो कुछ गैर-सुरक्षा जांच वाले देशों से आए थे। इस प्रक्रिया में, क्या होता है, आपके पास बैकडोर होते हैं जिन पर डाटा प्रवाहित होता है, जिसमें बहुत संवेदनशील स्थानों से डाटा उन हाथों में जाता है जिन्हें आप नहीं चाहते। जब हमने उन प्रतिबंधों को लागू करना शुरू किया तो इस उद्योग शुरू में थोड़ा विरोध किया लेकिन मुझे लगता है कि बाद में उन्होंने इसे अपना लिया। कृष्णन ने कहा कि डिजाइन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के तहत चयनित दो कंपनियाँ वास्तव में सीसीटीवी कैमरों के लिए चिप्स बना रही हैं और देश में सीसीटीवी कैमरों के निर्माण के लिए भारतीय कंपनियों के साथ एकीकृत कर रही हैं।

पंजाब के मोहाली से खाटू श्याम और हरिद्वार के लिए शुरू होंगी बसें, सीएम मान का एलान

मोहाली, एजेंसी। सेक्टर-79 के दशहरा ग्राउंड में 'एक शाम भगवान शिव के नाम' भक्ति संध्या के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार की धार्मिक यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं को विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि एक अगस्त से मोहाली से खाटू श्याम, सालासर धाम, ऋषिकेश और हरिद्वार के लिए नई बस सेवाएं शुरू की जाएंगी, जिससे आर्थिक या अन्य कारणों से यात्रा न कर पाने वाले श्रद्धालु भी दर्शन

कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवाने से बड़ा तीर्थ कोई नहीं है। उन्होंने पंजाब की संस्कृति और भाईचारे की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि पंजाब की धरती पर नफरत के बीज बोने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। यहां सभी धर्मों के लोग मिलकर त्योहार और धार्मिक आयोजन मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से टैक्स के रूप में मिलने वाला पैसा स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और सामाजिक योजनाओं पर खर्च किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि एक अगस्त से 40 लाख महिलाओं के मोबाइलों पर मावां धीया सम्मान योजना के तहत मिलने वाली राशि की प्राप्ति की घंटियां फिर बजेंगी। इस अवसर पर आप के प्रांतीय नेता दीपक बाली व मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह भी उपस्थित थे।

मंदिर के सामने डीजे बजाने के विवाद से कैसे नेपाल में भड़की सांप्रदायिक हिंसा, भारत में क्यों

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बीते तीन दिन से हालात तनावपूर्ण हैं। दरअसल, नेपाल के सुंसारी जिले में 27 जुलाई को सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी। तीन दिन में ये तनाव चार अलग-अलग जिलों तक पहुंच गया है। भारतीय सीमा के करीब के नेपाली शहरों में स्थिति सबसे ज्यादा खराब हुई है। अब इस सांप्रदायिक हिंसा पर न सिर्फ नेपाल, बल्कि भारत में भी चिंता जताई जा रही है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर नेपाल में यह सांप्रदायिक हिंसा अचानक कैसे भड़क गई तनाव भड़कने की वजह क्या रही कैसे यह तनाव एक के बाद एक शहरों तक पहुंच गया नेपाल सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए क्या किया है सियासी दलों ने इस हिंसा पर क्या कहा है भारत पर नेपाल के इस

तनाव का क्या असर पड़ सकता है आइये जानते हैं ।

नेपाल में कैसे अचानक भड़क उठी हिंसा: नेपाल के सुनसारी जिले के देवानगंज में हुई हालिया सांप्रदायिक हिंसा का तात्कालिक कारण एक स्थानीय विवाद रहा। हालांकि, पूरी घटना अचानक नहीं भड़की, बल्कि इसकी वजह लंबे समय से पनप रहा धार्मिक अलगाव रहा। 26 जुलाई को कसानगंज क्षेत्र में कुछ लोगों ने बिजली के खंभे पर लगे मुस्लिम समुदाय के एक झंडे को हटाकर उसकी जगह हिंदू झंडा लगा दिया। इससे क्षेत्र में तनाव पहले से ही बना हुआ था। इसके बाद रात को कसानगंज में एक मंदिर के बाहर तेज आवाज में बज रहे डीजे सिस्टम को लेकर विवाद शुरू हुआ। शुरुआत में दो पक्षों के बीच बहस हुई और देखते ही देखते यह पथराव में बदल गई। इसके बाद जब स्थानीय पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने बढ़ती भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाई, तो उसमें ओम प्रकाश मेहता नाम के 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इस मौत के बाद हिंसा और भड़क गई और इससे पूरा जिला प्रभावित हुआ। प्रशासन को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कई इलाकों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा।

सांप्रदायिक हिंसा में अब तक कितनी जानें गईं, कितने घायल: इस सांप्रदायिक हिंसा और उससे जुड़ी घटनाओं में अब तक दो लोगों की जान गई है और लगभग 22 से 24 लोग घायल हुए हैं।

किन्नौर मे दो स्थानों पर भूस्खलन, राष्ट्रीय राजमार्ग-5 बाधित; नाथपा से डायवर्ट हुआ ट्रैफिक

शिमला, एजेंसी। जनजातीय जिला किन्नौर में लगातार हो रही बारिश के बीच शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-5 (एनएच-5) दो स्थानों पर भूस्खलन और चट्टानें गिरने से प्रभावित हो गया। चौरा के समीप पहाड़ी से भारी चट्टानें गिरने के कारण एनएच-5 पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की टीम मौके पर पहुंची और करीब साढ़े तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सड़क से मलबा और चट्टानें हटाकर मार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए बहाल कर दिया। वहीं, नाथपा के समीप भी पहाड़ी से मलबा आने के कारण एनएच-5 अवरुद्ध हो गया। संबंधित एजेंसियां मार्ग बहाली के कार्य में जुटी हुई हैं। अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े दस बजे तक मार्ग बहाल होने की उम्मीद है। फिलहाल नाथपा क्षेत्र में वैकल्पिक मार्ग के माध्यम से वाहनों की आवाजाही सुचारु रूप से जारी है। प्रशासन ने यात्रियों से मौसम और सड़क की स्थिति को देखते हुए सावधानी बरतने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

अब एयर इंडिया बिल्डिंग में बैठेंगे मुयमंत्री देवेंद्र फडणवीस, जल्द हो सकती है पहली कैबिनेट बैठक

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित प्रतिष्ठित एयर इंडिया बिल्डिंग जल्द ही महाराष्ट्र सरकार के नए मंत्रालय के रूप में कार्य करेगी। रिनोवेशन और आधुनिकीकरण का कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित सरकार के प्रमुख प्रशासनिक कार्यालय इसी भवन से संचालित किए जाएंगे।

जल्द हो सकती है पहली कैबिनेट बैठक: सरकारी सूत्रों के अनुसार, आगामी दिनों में इस इमारत में राज्य मंत्रिमंडल की पहली कैबिनेट बैठक आयोजित होने की संभावना है। गुरुवार को राज्य के मुख्य सचिव की उपस्थिति में भवन में चल रहे मरम्मत और आधुनिकीकरण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें परियोजना की प्रगति का आकलन किया गया।

1,601 करोड़ रुपये में खरीदी गई इमारत: वर्ष 1972 में निर्मित यह 23 मंजिला इमारत लगभग 7,512 वर्गमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। महाराष्ट्र सरकार ने इस भवन को केंद्र सरकार से 1,601 करोड़ रुपये में खरीदा है। सरकार का उद्देश्य इसे आधुनिक प्रशासनिक सुविधाओं से युक्त नए मंत्रालय के रूप में विकसित करना है।

181 करोड़ रुपये से हो रहा आधुनिकीकरण: भवन के व्यापक मरम्मत, नवीनीकरण और आधुनिक सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकार ने 181 करोड़ रुपये का फंड स्वीकृत किया है। रिनोवेशन पूरा होने के बाद यहां अत्याधुनिक कार्यालय, बैठक कक्ष और प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

प्रशासनिक व्यवस्था को मिलेगी नई दिशा: सरकार का मानना है कि नए मंत्रालय के रूप में एयर इंडिया बिल्डिंग के उपयोग से प्रशासनिक कार्यों में अधिक दक्षता आएगी और आधुनिक कार्यस्थल उपलब्ध होगा। नरीमन पॉइंट जैसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित यह भवन राज्य शासन के महत्वपूर्ण निर्णयों और प्रशासनिक गतिविधियों का नया केंद्र बनने जा रहा है।

टोल प्लाजा पर बनेंगे विश्व-स्तरीय सार्वजनिक शौचालय, महिलाओं और बुजुर्गों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा पर विश्व-स्तरीय सार्वजनिक शौचालय बनाए जाएंगे। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल प्लाजा पर विश्वस्तरीय सार्वजनिक शौचालय सुविधाएं विकसित करने के लिए देशव्यापी पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर शौचालय सुविधाओं में सुधार करना है। एनएचएआई ने गुरुवार को कहा कि पहल के तहत टोल प्लाजा पर स्वच्छता

सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रदर्शन-आधारित अनुबंध व्यवस्था अपनाई जाएगी। मौजूदा शौचालय परिसरों का नवीनीकरण करने के साथ ही नये शौचालय भी बनाए जाएंगे। इसके लिए मानक तय कर उन्हें लागू किया जाएगा। देश में विकसित डिजाइन में मजबूत संरचनात्मक विशेषताओं के साथ टिकाऊ और हरित भवन निर्माण व्यवस्था को भी शामिल किया जाएगा। सेवा की गुणवत्ता को लगातार बनाए रखने के लिए रखरखाव से जुड़े मानकों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी।

इसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर आधारित लाइव टेलीमेट्री सिस्टम शामिल हैं, जिससे समय रहते रखरखाव और बेहतर सर्विस देना मुमकिन हो पाता है।

चमोली में भारी बारिश से बद्रीनाथ हाईवे बंद, सड़क खोलने का काम युद्ध स्तर पर जारी

चमोली, एजेंसी। चमोली में लगातार हो रही बारिश के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग एक बार फिर बंद हो गया है। चमोली जिले में पागल नाला के पास पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से सड़क पूरी तरह बाधित है। इसकी वजह से दर्जनों वाहन बीच रास्ते में फंस गए हैं। जानकारी के अनुसार रातभर हुई तेज बारिश के बाद पहाड़ी से अचानक मलबा और बोल्डर नीचे आ गए। इससे एनएच-7 पर आवाजाही रोकनी पड़ी। यह 373 किलोमीटर लंबा पहाड़ी मार्ग ऋषिकेश और जोशीमठ को बद्रीनाथ धाम और माणा पास से जोड़ता है। मानसून में यहां अक्सर मलबा आने से रास्ता बंद होता रहता है। रास्ता बंद होने से बद्रीनाथ जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई वाहन घंटों तक एक ही जगह खड़े हैं। प्रशासन ने लोगों से अपेक्षा की है कि वे मौसम साफ होने और सड़क सुरक्षित घोषित होने तक यात्रा न करें। सड़क खोलने के लिए बीआरओ और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। जेसीबी और अन्य भारी मशीनों से मलबा हटाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि हालात सामान्य होते ही यातायात बहाल कर दिया जाएगा। स्थानीय प्रशासन ने ट्रैवल एडवाइजरी भी जारी की है। इसमें कहा गया है कि पहाड़ों में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है, इसलिए जरूरी न हो तो यात्रा टाल दें। ड्राइवरों से सुरक्षित जगह पर वाहन खड़ा करने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। हर साल मानसून में इस हाईवे पर मलबा और भूस्खलन की समस्या आती है। बीआरओ की टीमें लगातार इसे साफ करती हैं।

अमेरिका के 30+ वॉटर सिस्टम निशाने पर, मिस्र पर पहली चोट; ईरान ने दो गैस जहाज तबाह

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध का दायरा अब मिस्र तक पहुंच गया है। मिस्र सरकार ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की कि दमियाता बंदरगाह पर बुधवार को प्राकृतिक गैस से जुड़े दो जहाजों में लगी आग किसी तकनीकी खराबी का नतीजा नहीं, बल्कि ड्रोन हमला इसकी वजह थी। इस घटना के बाद आशंका जताई जा रही है कि पश्चिम एशिया का यह संघर्ष अब समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख मार्गों तक फैल गया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि पश्चिम एशिया में शांति कब बहाल होगी। ईरान की रणनीति में क्या बदलाव आया है जर्मनी के इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड सिक्योरिटी अफेयर्स के शोधकर्ता हमीद रजा अजीजी के मुताबिक, ईरान अब संभावित खतरा महसूस होने पर पहले हमला करने की नीति अपना रहा है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की व्हाइट हाउस में मुलाकात के तुरंत बाद ईरान का हमला इसी रणनीति का संकेत माना जा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे बड़ा मुद्दा क्यों बन गया है ईरान का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक ताकत का अहम हिस्सा है। उप

विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि यदि इस जलमार्ग पर ईरान के प्रभाव को कमजोर करने या ओमान और अमेरिका की मदद से वैकल्पिक समुद्री मार्ग विकसित करने की कोशिश हुई तो तेहरान फिर कार्रवाई करेगा। संघर्ष अब केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है। अमेरिका और सऊदी अरब ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया पर हमला किया है। जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमले हुए, जबकि सऊदी अरब को इराक समर्थित समूहों और यमन के हूती विद्रोहियों से भी खतरा बना हुआ है। इससे पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है।

युद्ध का बढ़ता दायरा ट्रंप के गले की फांस बनता जा रहा: फरवरी 2026 में ईरान पर हवाई हमलों की शुरुआत के समय राष्ट्रपति ट्रंप बड़े गर्व के साथ दावा किया था कि यह जंग चार-छह हफ्तों में खत्म हो जाएगी। लेकिन अब पश्चिम एशिया के अपेक्षाकृत शांत देश मिस्र के गैस टैंकर पर हमले के बाद एक बात साफ है कि यह जंग फिलहाल थमने वाली नहीं है, और इसका दायरा भी बढ़ता जा रहा है। यह बड़बोले ट्रंप के लिए गले की फांस बनती जा रही है।

अमेरिका ने ईरान के कई ठिकानों पर की बमबारी: अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने जॉर्डन में अपने सैन्य अड्डे पर हुए ईरानी मिसाइल हमले के जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के दर्जनों ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की है। इन हमलों में सैन्य कमांड सेंटर, मिसाइल और ड्रोन ठिकानों के साथ तटीय निगरानी और रक्षा केंद्रों को भी निशाना बनाया गया। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित किश्म द्वीप पर अमेरिकी हमले में एक दंपती और उनके 2 साल के बच्चे की मौत हो गई।

पहली बार मिस्र पर हमला: ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध का दायरा अब मिस्र तक पहुंच गया है। मिस्र सरकार ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की कि दमियाता बंदरगाह पर बुधवार को प्राकृतिक गैस से जुड़े दो जहाजों में लगी आग किसी तकनीकी खराबी का नतीजा नहीं, बल्कि ड्रोन हमला इसकी वजह थी। इस घटना के बाद आशंका जताई जा रही है कि पश्चिम एशिया का यह संघर्ष अब समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख मार्गों तक फैल गया है। वहीं, कुवैत में ईरानी हमले में चीन की एक कंपनी की इमारत को निशाना बनाया गया। हमले में इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और एक कर्मचारी की मौत हो गई। रिपोर्टों के मुताबिक ड्रोन ने अमेरिकी कंपनी के प्राकृतिक गैस भंडारण जहाज एनरगोस विंटर को निशाना बनाया। इसके बाद आग पास में खड़े ग्रीस के गैस टैंकर गैसलॉग सलेम तक फैल गई। दमकल कर्मियों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अमेरिका के जल तंत्र पर साइबर हमला: अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में 30 से अधिक जल आपूर्ति प्रणालियों पर हुए साइबर हमलों की जांच जारी है। इस बीच अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि ईरानी हैकर्स जल आपूर्ति और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं। हालांकि, अब तक हमलों के पीछे किसका हाथ है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मिनेसोटा आईटी सर्विसेज ने बताया कि रविवार और सोमवार को हुए साइबर हमलों की जांच जारी है। अब तक किसी भी निवासी पर इन हमलों का सीधा असर सामने नहीं आया है। हालांकि, एक शहर ने कुछ घंटों के लिए लोगों से पानी का सीमित उपयोग करने की अपील की थी, ताकि समस्या का पता लगाया जा सके। मामले की जांच एफबीआई कर रही है। एजेंसी ने अभी तक किसी भी समूह या देश का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि, एफबीआई, साइबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी और अन्य एजेंसियों ने पिछले सप्ताह जारी एक एडवाइजरी में कहा था कि ईरानी हैकर्स जल और अपशिष्ट जल प्रणालियों सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा पर पीएम बालेन की शांति की अपील, दोषियों पर सत कार्रवाई का भरोसा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने देश के दक्षिण-पूर्वी मधेश प्रांत में फैली सांप्रदायिक हिंसा के बीच लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच शुरू हुई झड़पों में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई पुलिसकर्मी और आम लोग घायल हुए हैं। हालात को देखते हुए कई इलाकों में कर्फ्यू और निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि सरकार इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है। उन्होंने हिंसा में मारे गए जय प्रकाश मेहता, ओम प्रकाश मेहता और गणेश यादव के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के बाद कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जांच समिति बनाई गई: प्रधानमंत्री ने बताया कि गृह मंत्रालय ने घटना की जांच के लिए एक समिति का गठन कर दिया है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को सभी घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से अफवाहें, अपुष्ट जानकारी या सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाली सामग्री साझा न करें।

सरकार पर लापरवाही के आरोप: हिंसा बढ़ने के बाद विपक्ष ने प्रधानमंत्री शाह की सरकार पर निष्क्रिय रहने का आरोप लगाया है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वयम पोर्टल पंजीयन कार्यशाला आयोजित, विद्यार्थियों को ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी** में विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से जोड़ने के उद्देश्य से शुक्रवार को स्वयम (SWAYAM) पोर्टल पंजीयन विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला महाविद्यालय के कक्ष क्रमांक-126 में आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता कर ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली की जानकारी प्राप्त की कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंहद्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों एवं वक्ताओं का स्वागत किया गया। कार्यशाला में स्वयम पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध ऑनलाइन पाठ्यक्रमों, पंजीयन प्रक्रिया और विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में इसकी उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा

की गई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल शिक्षा विद्यार्थियों के लिए ज्ञान के नए अवसर उपलब्ध करा रही है उन्होंने स्वयम पोर्टल की अनिवार्यता, इसकी प्रमुख विशेषताओं और उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वयम पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थी अपनी रुचि और विषय के अनुसार गुणवत्तापूर्ण पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर सकते हैं, जिससे उनके ज्ञान और कौशल में वृद्धि होगी कार्यशाला में डॉ. आई.पी. प्रजापति एवं गंगा बैरागी ने ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के महत्व और विद्यार्थियों के लिए इनके लाभों की जानकारी दी उन्होंने बताया कि स्वयम पोर्टल देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रमों तक विद्यार्थियों को पहुंच उपलब्ध कराता है। इससे विद्यार्थी अपनी नियमित पढ़ाई के साथ अतिरिक्त ज्ञान और कौशल प्राप्त कर सकते हैं कार्यक्रम के दौरान डॉ. विद्याचरण द्विवेदी ने स्वयम पोर्टल पर पंजीयन की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पोर्टल पर अकाउंट बनाने, पाठ्यक्रम चयन, पंजीयन प्रक्रिया और ऑनलाइन अध्ययन की विधि के संबंध में चरणबद्ध जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बेहतर उपयोग के लिए

आवश्यक सुझाव दिए कार्यशाला में स्वयम पोर्टल प्रभारी डॉ. भोला सिंह कुशराम, डॉ. विनोद साकेत डॉ. उमेश कुमार सोनी डॉ. अनिरुद्ध प्रजापति, डॉ. पुष्पेंद्र शाह सहित महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर अपने शैक्षणिक स्तर को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया कार्यशाला के सफल आयोजन से विद्यार्थियों में स्वयम पोर्टल के प्रति जागरूकता बढ़ी। विद्यार्थियों ने कहा कि ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की जानकारी मिलने से उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ अतिरिक्त विषयों का अध्ययन करने और नई क्षमताएं विकसित करने का अवसर मिलेगा महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि भविष्य में भी विद्यार्थियों के हित में इस प्रकार की प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन लगातार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी डिजिटल शिक्षा के संसाधनों का लाभ उठा सकें।

1 से 7 अगस्त तक जिले में मनाया जाएगा जी.ई.आर. सप्ताह, प्रत्येक विकासखंड में 1000 बच्चों के नामांकन का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में 1 अगस्त से 7 अगस्त 2026 तक जी.ई.आर. (ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो) सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान विद्यालय स्तर से लेकर जनशिक्षा केन्द्र, विकासखंड एवं जिला स्तर तक विशेष अभियान चलाकर शाला में जाने योग्य आयु वर्ग के बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा प्रत्येक विकासखंड में 1000 बच्चों का नामांकन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र विनय मिश्रा ने बताया कि आयुक्त लोक शिक्षण एवं आयुक्त राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए गए निर्देशों के अनुसार अभियान संचालित किया जाएगा अभियान के तहत सभी संस्था प्रमुख अपने विद्यालयों के शिक्षकों की ड्यूटी कैचमेंट एरिया में लगाकर 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग (कक्षा 1 से 8) के बच्चों का सर्वे कर नामांकन बढ़ाने की कार्यवाही करेंगे। यह अभियान "स्कूल चलें हम" अभियान की तर्ज पर संचालित होगा अभियान में विशेष रूप से उन बच्चों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिनका विद्यालयों में नामांकन अपेक्षाकृत कम है। इनमें बालिकाएं, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के बच्चे, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, दूरस्थ एवं अलग-थलग बसाहटों के बच्चे, झुग्गी-झोपड़ी, डूब क्षेत्र एवं विस्थापित ग्रामों के बच्चे, बाल श्रमिक, खतरनाक उद्योगों में कार्यरत बच्चे तथा विशिष्ट समस्याओं वाले समुदायों के बच्चे शामिल हैं अभियान के दौरान वार्डों एवं बसाहटों में जाकर स्कूल से बाहर बच्चों का चिन्हांकन किया जाएगा तथा उनके पालकों से संपर्क कर बच्चों का आयु के अनुसार विद्यालयों में प्रवेश कराया जाएगा शाला त्यागी बच्चों की पहचान कर उनका पुनः नामांकन कराया जाएगा। पलायन करने वाले परिवारों का पुनः सर्वे कर पात्र बच्चों को भी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा जिन बच्चों की समग्र आईडी उपलब्ध नहीं है उनकी समग्र आईडी संबंधित सरपंच एवं सचिव के माध्यम से बनवाने अथवा परिवारों को इसके लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कक्षा 2 से 8 के बीच नामांकन अंतर को समाप्त करने के लिए ड्रॉप बॉक्स में प्रदर्शित बच्चों का शीघ्र इम्पोर्ट कर पात्र कक्षाओं में मैपिंग तथा यू-डायस प्रोग्रेशन शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बारिश में सुगम आवागमन के लिए नगर निगम सक्रिय, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य तेज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वर्षा ऋतु के दौरान शहरवासियों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम रीवा द्वारा सड़कों की मरम्मत और जल निकासी के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। निगम आयुक्त श्री अक्षत जैन के निर्देश पर नगर निगम की टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है नगर निगम द्वारा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, जलभराव वाले स्थानों से पानी की निकासी तथा आवश्यक निर्माण कार्यों को युद्धस्तर पर कराया जा रहा है इसी क्रम में शुक्रवार को जोन क्रमांक-4 के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में सड़क सुधार कार्य किया गया वार्ड क्रमांक-26 बदरांव क्षेत्र में

रामसागर मोड़, श्रवण कुमारी स्कूल के पीछे वाली सड़क एवं लालन टोला मार्ग पर बने गड्ढों में सीआरएम सामग्री डालकर सड़क को आवागमन योग्य बनाया गया। वहीं वार्ड क्रमांक-43 के यशोदा नगर एवं चिरहुला मंदिर के पीछे स्थित मार्ग पर भी गड्ढों को भरकर सड़क सुधार का कार्य किया गया निगम आयुक्त श्री अक्षत जैन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहर के सभी संवेदनशील क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि जहां भी सड़क क्षतिग्रस्त होने या जलभराव की समस्या सामने आए, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्षा ऋतु में नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी नगर निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि सड़क क्षति, जलभराव, नाली अवरुद्ध होने अथवा साफ-सफाई से संबंधित किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल नगर निगम को दें, ताकि संबंधित टीम मौके पर पहुंचकर शीघ्र समाधान कर सके नगर निगम की इस पहल से बारिश के दौरान नागरिकों को होने वाली परेशानियों को कम करने और शहर में बेहतर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

सनब्राइट स्कूल में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विद्यार्थियों ने लिया नशा त्याग का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सामाजिक विभाग के मार्गदर्शन में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सनब्राइट स्कूल, वार्ड क्रमांक-4 नई बस्ती पडरा रीवा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया गया कार्यक्रम का आयोजन संस्था जगदीश बैजनाथ वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मुनीद्र चतुर्वेदी एवं विद्यालय डायरेक्टर रमेश दुबे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को नशे से दूरी

बनाकर स्वस्थ और बेहतर जीवन शैली अपनानी चाहिए।

कार्यक्रम में बच्चों को बताया गया कि तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। नशे की आदत कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकती है। इनमें कैंसर, टीबी, आंखों से संबंधित समस्याएं तथा अन्य घातक बीमारियां शामिल हैं वक्ताओं ने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने घर के बड़े-बुजुर्गों एवं आसपास के लोगों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें विद्यार्थियों को समझाया गया कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। यदि युवा पीढ़ी नशे से दूर रहेगी तो एक स्वस्थ, सुरक्षित और मजबूत समाज का निर्माण किया जा सकता है।

इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे जीवनभर नशे से दूर रहेंगे और अपने जिले, प्रदेश एवं पूरे भारत को नशामुक्त बनाने में सहयोग करेंगे। बच्चों ने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने परिवार और समाज में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाएंगे कार्यक्रम में सनब्राइट स्कूल के सभी शिक्षकगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है और वे भविष्य में नशामुक्त समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

01 अगस्त को जिले के पांच स्थानों पर लगेंगे अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 01 अगस्त 2026 को जिले के पांच स्थानों पर अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में स्वास्थ्य परीक्षण, विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के साथ पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे। साथ ही पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक परामर्श सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि जनपद पंचायत कुसमी के ग्राम पंचायत गडुआधार धुम्माडोल, मझौली के खडौरा, रामपुर नैकिन के मझिगवां, सीधी के शिवपुरवा क्रमांक-1 तथा सिहावल के हटवाखास में प्रातः 8 बजे से शिविर आयोजित किए जाएंगे उन्होंने बताया कि शिविरों का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग आयुष विभाग तथा पशुपालन विभाग के संयुक्त सहयोग से किया जाएगा शिविरों के सफल संचालन के लिए संबंधित सीडीपीओ एवं बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि ग्राम पंचायतों में मुनादी एवं अन्य माध्यमों से शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी इसकी जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इन शिविरों का लाभ उठा सकें।

सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों पर नगर निगम की कार्रवाई, 7 हजार रुपये स्पॉट फाइन वसूला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम रीवा द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त अक्षत जैन के निर्देश पर शुक्रवार को नगर निगम की स्वच्छता टीम ने जोन क्रमांक-3 क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई की नगर निगम की टीम द्वारा न्यू बस स्टैंड फ्लाईओवर के नीचे स्थित देशी शराब दुकान के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा

फैलाने, नालियों में अपशिष्ट डालने तथा सड़क किनारे गंदगी करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई स्वच्छता टीम ने न्यू बस स्टैंड फ्लाईओवर क्षेत्र का भ्रमण कर स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों पर कार्रवाई करते हुए कुल 7 हजार रुपये की स्पॉट फाइन राशि वसूल की गई। साथ ही प्रतिबंधित एवं अमानक पॉलीथिन के उपयोग पर कार्रवाई करते हुए करीब 4 किलोग्राम अमानक पॉलीथिन जब्त की गई नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। दुकानदार अपनी दुकानों में डस्टबिन की व्यवस्था रखें और कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें। सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने से शहर की सुंदरता प्रभावित होती है और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी इस कार्रवाई के दौरान स्वच्छता निरीक्षक आकाश वर्मा, मिथलेश मिश्रा, वार्ड दरोगा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे नगर निगम की इस कार्रवाई से सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के प्रयासों को और गति मिलने की उम्मीद है।

जिले में डिप्टी कलेक्टरों के बीच कार्यों का नया बंटवारा, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विकास मिश्रा ने प्रशासनिक कार्यों के प्रभावी एवं सुचारु संचालन के उद्देश्य से संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर एवं तहसीलदारों के बीच नवीन कार्य विभाजन आदेश जारी किए हैं यह आदेश प्रभारी डिप्टी कलेक्टर आर.पी. त्रिपाठी के सेवानिवृत्त होने तथा डिप्टी कलेक्टर सागर जैन एवं स्वर्णा दीवान के प्रशिक्षण उपरांत कार्यभार ग्रहण करने के बाद जारी किया गया है जारी आदेश के अनुसार संयुक्त कलेक्टर संजीव कुमार पाण्डेय को उपखण्ड मजिस्ट्रेट मझौली का दायित्व सौंपा गया है। डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक को उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) गोपद बनास बनाया गया है तथा उन्हें भू-अभिलेख, भू-प्रबंधन, नजूल एवं जिला शहरी विकास अभिकरण से जुड़े कार्यों का प्रभार भी दिया गया है डिप्टी कलेक्टर (परिवीक्षाधीन) सागर जैन को उपखण्ड मजिस्ट्रेट कुसमी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) का दायित्व सौंपा गया है वहीं डिप्टी कलेक्टर (परिवीक्षाधीन) स्वर्णा दीवान को जिला आपूर्ति अधिकारी के साथ राजस्व राहत, सीएम हेल्पलाइन जनसंपर्क निधि, व्यवहारवाद कार्यालय अधीक्षक एवं अन्य शाखाओं का प्रभार दिया गया है इसके अलावा प्रभारी तहसीलदार (नजूल) मीनाक्षी जायसवाल को जनसुनवाई, आवक-जावक, टाइपिंग एवं कम्प्यूटर शाखा, जनगणना-2027, वन-व्यवस्थापन, प्रतिलिपि शाखा, अल्प बचत, संस्थागत वित्तीय एवं सामान्य अभिलेखागार सहित विभिन्न शाखाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है कलेक्टर ने प्रशासनिक कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए अधिकारियों के बीच लिंक ऑफिसर भी नियुक्त किए हैं तथा निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने प्रभारित कार्यों का निर्वहन पूर्ण जवाबदेही, समन्वय एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित करें।

नगर निगम रीवा में सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारी को दी गई भावभीनी विदाई, आयुक्त ने कार्यों की सराहना कर दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारी के अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर शुक्रवार को भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रभारी कार्यपालन यंत्री ऋषिकेश त्रिपाठी, प्रभारी सहायक आयुक्त काशीनाथ साकेत एवं सहायक ग्रेड-3 इन्द्रभान वर्मा को उनकी सेवानिवृत्ति पर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई नगर निगम कार्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में निगम आयुक्त अक्षत जैन ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों एवं कर्मचारी को शाल एवं फल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नगर निगम की सेवा अवधि के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारी ने अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन किया है उनके अनुभव और कार्यशैली से निगम के कार्यों को गति मिली है निगम आयुक्त ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों एवं कर्मचारी के उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा का अनुभव समाज और संस्थान के लिए हमेशा महत्वपूर्ण रहता है और सेवानिवृत्ति के बाद भी उनके मार्गदर्शन का लाभ मिलता रहेगा कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी एवं एमएस सिद्दीकी, कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह तथा राजेश सिंह ने सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारी के साथ अपने कार्य अनुभव साझा किए उन्होंने कहा कि लंबे समय तक निगम में सेवा देते हुए इन अधिकारियों एवं कर्मचारी ने अपने दायित्वों का बेहतर निर्वहन किया और विभागीय कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया समारोह में उपस्थित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सेवानिवृत्त हो रहे साथियों को शुभकामनाएं दीं वक्ताओं ने उनके सरल व्यवहार, कार्य के प्रति समर्पण और सहयोगात्मक भावना की सराहना की कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपयंत्री पूर्वी अग्रवाल ने उपस्थित सभी अतिथियों अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है लेकिन अपने कार्यों और व्यवहार के माध्यम से बनाई गई पहचान हमेशा याद रहती है इस अवसर पर सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, सहायक यंत्री राजेश मिश्रा, पीएन शुक्ला, कमलेश्वर सिंह, रमेश सिंह सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों व कर्मचारी के परिजन उपस्थित रहे विदाई समारोह में निगम परिवार की ओर से सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों एवं कर्मचारी के प्रति सम्मान और शुभकामनाएं व्यक्त की गईं उपस्थित सभी लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखमय और सफल जीवन की कामना की।

जिले में हाइब्रिड मोड से शुरू हुआ उर्वरक वितरण, किसानों को समय पर मिलेगी खाद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए खाद वितरण व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से हाइब्रिड मोड में लागू कर दिया गया है उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि इस व्यवस्था के तहत जिले की सभी सहकारी समितियों एवं डबल लॉक केंद्रों पर पारदर्शी तरीके से उर्वरकों का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा उन्होंने बताया कि कलेक्टर विकास मिश्रा ने कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को सभी उर्वरक विक्रय केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं ताकि किसानों को यूरिया सहित अन्य आवश्यक उर्वरक बिना किसी परेशानी के समय पर उपलब्ध हो सकें उप संचालक ने बताया कि हाइब्रिड वितरण व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह है कि तकनीकी समस्या अथवा सर्वर डाउन होने की स्थिति में भी खाद वितरण बाधित नहीं होगा इसके लिए सभी विक्रय केन्द्रों को निर्देशित किया गया है कि 30 जुलाई 2026 से आगामी आदेश तक किसानों को किए जाने वाले प्रत्येक उर्वरक विक्रय का अभिलेख अनिवार्य है।

मंदिर प्रबंधन की बदले व्यवस्था

संपादकीय

मंदिर हमारी आस्था का प्रतीक है, परंतु मंदिरों की व्यवस्था के बारे में हमारी उदासीनता एक शर्म का विषय है। हम लोग मंदिर जाते हैं मन की शांति और भगवान के आशीर्वाद के लिए, परंतु होता क्या है? मंदिर जाते समय यही लगता है कि किसी तरह भगवान के दर्शन हो जाएं और धक्कामुक्की से हम सकुशल बाहर निकल आएं। मंदिरों में भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था लचर होती है, जब-तब दुर्घटनाएं होती रहती हैं। वैष्णो देवी में 2022 में 12 लोग मर गए, हाथरस सत्संग में 2024 में 121 लोग भीड़ में कुचले गए, तिरुपति में 2025 में छह लोगों की जान चली गई। ऐसे अंतहीन मामले हैं। इसके अलावा मंदिरों से समय-समय पर घपलों-घोटालों की खबरें भी आती रहती हैं। तिरुपति में वर्षों तक मिलावटी घी के लड्डू बटते रहे, सबरीमाला में सोने की चोरी हो गई और उसके बदले तांबे पर सोने की चादर चढ़ाकर रख दिया गया। कुछ दिनों पहले ही राम मंदिर में दान दी हुई धनराशि और सोने-चांदी के आभूषणों के गायब होने का मामला सतह पर आया। एक तरफ तो हम कहते हैं कि मंदिरों पर नियंत्रण सरकार का नहीं, बल्कि हिंदुओं का होना चाहिए, जो कि होना भी चाहिए, लेकिन धर्म के ठेकेदारों की करतूतें भी सब दिखा रही हैं।

राम मंदिर में चोरी की भनक लगते ही उत्तर प्रदेश सरकार ने एक विशेष जांच दल यानी एसआइटी का गठन कर दिया। समझ नहीं आता कि एसआइटी की कमान किसी कमिश्नर को कैसे सौंप दी? भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अंतर्गत जांच केवल पुलिस अधिकारी कर सकता है, अन्य विभाग का बड़े से बड़ा अधिकारी भी नहीं। उदार दृष्टिकोण अपनाते हुए भी यह कहा जा सकता है कि प्रदेश सरकार ने एसआइटी का गठन किया था। सुप्रीम कोर्ट ने विवेचना के लिए दूसरी एसआइटी के गठन का आदेश दिया और स्पष्ट कर दिया कि टीम का नेतृत्व कोई आइपीएस अधिकारी करेगा। उचित यही होगा कि एसआइटी अपनी सहायता के लिए आडिट एंड अकाउंट्स सर्विस से भी कुछ अधिकारियों को अपनी टीम में शामिल करे। पहली एसआइटी की प्रारंभिक जांच से दान की गिनती और प्रबंधन की प्रक्रिया में गंभीर प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी कमियां मिलीं। सीसीटीवी फुटेज में कुछ कर्मचारियों को नोटों की गड्डियां और नकदी अपने कपड़ों, जेबों या जूतों में छिपाते हुए देखा गया। स्पष्ट है कि सुरक्षा जांच नियमों का प्रभावी ढंग से लागू न होने से चोरी की घटनाएं हुईं। रिपोर्ट में दान प्रबंधन प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने, योग्यकर्मियों की नियुक्ति तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की सिफारिश की गई है। कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारियां सही हैं, पर ये सब छुटभैये हैं। बड़ी मछलियां अभी भी आजाद हैं।

श्री रामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी ने कहा कि ट्रस्ट से संबंधित ब्यूरोक्रेट्स और स्टेट बैंक के अधिकारियों से भी आशा की जाती थी कि वे प्रशासनिक दृष्टि से हिसाब-किताब पर ध्यान रखेंगे और यदि कोई कमी हो तो उसके बारे में जानकारी देंगे। एसआइटी ने भी अपनी रिपोर्ट में केवल पर्यवेक्षण की कमियों की ओर संकेत किया है। इससे ज्यादा लिखा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि पर्यवेक्षक ब्यूरोक्रेट्स उनसे सीनियर थे। उल्लेखनीय है कि ट्रस्ट में प्रधानमंत्री के पूर्व प्रमुख सचिव नृपेंद्र मिश्रा, संजय प्रसाद, प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (गृह) प्रशांत लोखंडे, केंद्र सरकार के प्रतिनिधि और अयोध्या के जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी भी सदस्य के रूप में थे। इन अधिकारियों में किसी को दान की गई धनराशि में हेराफेरी की भनक कैसे नहीं लगी? भले इनकी जिम्मेदारी हिसाब रखने की न रही हो, परंतु जब इस तरह के गबन होते हैं तो उसकी चर्चा हवा में फैल जाती है और संबंधित अधिकारियों को मालूम हो जाता है।

टीजी मोहनदास से संघ और भाजपा ने बनाई दूरी

सनत जैन

जेन-जी ओर काकरोंच जनता पार्टी के युवाओं द्वारा जंतर मंतर में एक बड़ा प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन को लेकर केरल के संघ विचारक टीजी मोहनदास ने छात्र आंदोलन पर बड़ी विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने यूट्यूब चैनल में मलयाली भाषा में जो वीडियो अपलोड किया है, उसमें कहा गया है, आंदोलन रोकने की जिम्मेदारी उनके पास होती तो वह प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए जंतर मंतर इलाके में कर्फ़्यू लगा देते। उन्होंने कहा, जंतर मंतर के चार किलोमीटर क्षेत्र में कर्फ़्यू लगाकर तीन बार प्रदर्शनकारियों को वहां से हटने की चेतावनी देते। यदि वह नहीं मानते, तो उसके बाद मैं गोली चलाने का आदेश देता। इस आदेश के बाद प्रदर्शनकारी भाग जाते। गोलीबारी में कुछ लोग मर जाते, कुछ लोग बच जाते, कुछ अपंग हो जाते। इसके बाद प्रदर्शनकारी दोबारा कभी आंदोलन करने की नहीं सोचते। उन्होंने यूट्यूब चैनल में कहा, जो लड़कियां प्रदर्शन में शामिल थी। उनके बारे में भी बड़ी अनाप-शनाप अशोभनीय टिप्पणी की है। जिसकी सारे देश में चर्चा और उसकी निंदा हो रही है। संघ और भाजपा के लोग कुछ ऐसी बात बोल देते हैं, जिससे संगठन की परेशानी बढ़ती है। जिस तरह से मोहन दास ने गोली चलाने और प्रदर्शन में शामिल लड़कियों और महिलाओं के बारे में जो कुछ बोला है। उसको लेकर देश में बड़ा बवाल बन गया है। केरल सरकार के गृहमंत्री रमेश चैनिथल्ला ने इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित खबर के बाद वीडियो की जांच के आदेश दे दिए हैं। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा ने मोहनदास से पल्ला झाड़ लिया है। संघ की ओर से पीटीआई ने जो बयान जारी किया है, उसमें कहा गया है, मोहनदास आरएसएस के पदाधिकारी नहीं है। संघ उनके विचारों से सहमत नहीं है। जो विचार उन्होंने व्यक्त किए हैं, वह उनके निजी बयान है। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है, टीजी मोहनदास भाजपा संगठन में राज्य स्तर के प्रमुख पद में रहे हैं। वर्तमान में उनके पास कोई दायित्व नहीं है। उनकी विचारधारा पूरी तरह से संघ की है, वह संघ के महत्वपूर्ण पदों में कई दशक रह चुके हैं। केरल में गठबंधन की सरकार है। कांग्रेस ने उनके बयान को घटिया और महिला विरोधी सोच बताया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है, संघ अपना पंजीयन इसलिए नहीं कराता है। वह इस तरह के अपराध होने पर जिम्मेदारी कभी नहीं लेता है। महात्मा गांधी की जब हत्या हुई थी, उस समय भी संघ ने नाथूराम गोडसे से अपना पल्ला इसी तरह से झाड़ लिया था। कांग्रेस ने मोहनदास के बयान की आलोचना करते हुए कहा, देश को नफरत और हिंसा की आग में झोंकने का इतिहास संघ का है। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में सारे देश के युवा सड़कों पर प्रदर्शन के लिए उतरे थे। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा और दान चोरी को लेकर संघ और भाजपा राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे समय पर पार्टी के अंदर से जिम्मेदार लोग जो बयानबाजी कर रहे हैं, उससे संघ और भाजपा को राजनीतिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मोहनदास ने स्वीकार किया है, वीडियो उन्हीं के द्वारा डाला गया है। उनका कहना है कि उसको गलत ढंग से ट्रांसलेट किया गया है। उनकी वह मनसा नहीं थी, जो बताई जा रही है। बहरहाल केरल सरकार ने जांच के आदेश दे दिए हैं। निश्चित रूप से उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई तो होगी। संघ ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। ऐसी स्थिति में आने वाले समय पर टीजी मोहनदास की परेशानी बढ़ने वाली हैं। इसका असर संघ और भाजपा पर भी पड़ना तय है। कुछ महीने बाद उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के चुनाव होने हैं। बेरोजगारी, ई-20 पेट्रोल, महंगाई, पेपर लीक जैसी घटनाओं के कारण युवा वर्ग सरकार से नाराज है। वह आंदोलन के लिए सड़कों पर आकर प्रदर्शन कर रहा है। ऐसी स्थिति में इस बयान के कारण संघ और भाजपा को भविष्य में बड़ा नुकसान भी हो सकता है। संघ इसकी भरपाई करने के लिए अब कौन से उपाय करेगा, यह देखना अभी बाकी है। केरल सरकार टीजी मोहन दास के वीडियो की जांच कर उनके ऊपर आपराधिक मुकदमा दर्ज करेगी। राजनीतिक दृष्टि से यह बड़ा संवेदनशील मामला है। देश भर में इस बयान की निंदा हो रही है। मोहनदास का कहना है, उनका उद्देश्य काल्पनिक कार्रवाई का उदाहरण देना था।

राष्ट्रीय हित बनाम वैश्विक प्रतिबद्धता : जब दुनिया की बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय समझौतों से बाहर निकल गईं

अमरेश द्विवेदी

दुनिया की राजनीति में एक प्रसिद्ध कथन है- 'राष्ट्रों के स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होते बल्कि उनके स्थायी हित होते हैं।' अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का इतिहास इस कथन की अनेक बार पुष्टि करता है। जब भी किसी वैश्विक संधि, समझौते या अंतरराष्ट्रीय संगठन की सदस्यता किसी देश को अपने आर्थिक, सामरिक या राजनीतिक हितों के विरुद्ध लगती है तो वह उससे अलग होने या उसकी शर्तों को बदलने का प्रयास करता है। पिछले चार दशकों में अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और अन्य बड़ी शक्तियों ने कई ऐसे फैसले लिए हैं, जिन्होंने वैश्विक राजनीति की दिशा बदल दी। इनमें जलवायु परिवर्तन, परमाणु हथियार नियंत्रण, व्यापार, मानवाधिकार और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। हाल के वर्षों, विशेषकर 2025 और 2026 के घटनाक्रमों ने भी यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक संस्थाओं की शक्ति उतनी ही मजबूत होती है, जितनी सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छा। 2015 का पेरिस जलवायु समझौता दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हुआ था। लेकिन 2017 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह कहते हुए इससे बाहर निकलने की घोषणा की कि यह समझौता अमेरिकी उद्योगों और रोजगार के लिए नुकसानदायक है तथा चीन और भारत जैसे देशों को अनुचित लाभ देता है। 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिका की दोबारा वापसी कराई और जलवायु परिवर्तन को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया। लेकिन 2025 में ट्रंप प्रशासन की वापसी के बाद अमेरिका ने एक बार फिर पेरिस समझौते से हटने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इससे यह स्पष्ट हो गया कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की जलवायु नीति घरेलू राजनीति से गहराई से प्रभावित होती है। कोविड-19 महामारी के दौरान अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पर चीन के प्रति पक्षपात का आरोप लगाया और संगठन से बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू की थी। बाद में बाइडेन प्रशासन ने इसे वापस ले लिया। हालांकि, 2025 में ट्रंप प्रशासन ने दोबारा अमेरिका को डब्ल्यूएचओ से बाहर करने का निर्णय लिया। अमेरिका का तर्क था कि संगठन में व्यापक सुधार की आवश्यकता है और वर्तमान व्यवस्था अमेरिकी हितों के अनुरूप नहीं है। इस फैसले ने वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को लेकर नई बहस छेड़ दी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका 2015 के 'जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ़ एक्शन' (जेसीपीओए) से 2018 में एकतरफ़ा तौर पर खुद को अलग कर लिया और दूसरे हस्ताक्षरकर्ताओं (ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस, चीन और यूरोपीय संघ) के विरोध के बावजूद फिर से ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए। अमेरिका का तर्क था कि यह डील बुनियादी तौर पर खराब थी। ट्रंप ने इसे अबतक का सबसे खराब डील कहा। अमेरिका का कहना है कि इसमें ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम, क्षेत्रीय प्रॉक्सी गतिविधियों और 'सनसेट क्लॉज़' (समय-सीमा वाली शर्तें) जैसे मुद्दों को ठीक से नहीं सुलझाया गया था, जिनकी वजह से ईरान को आगे चलकर एडवांस्ड न्यूक्लियर काम फिर से शुरू करने की इजाज़त मिल जाती। ट्रंप इसे एक बुरा सौदा मानते थे जिससे ईरान तो मजबूत हुआ लेकिन उसके न्यूक्लियर इरादों या अमेरिका के सहयोगियों पर कोई खास रोक नहीं लगी। इसे एक राजनीतिक प्रतिबद्धता माना गया जिसका लागू होना अमेरिका की इच्छाशक्ति पर निर्भर था। मौका देखकर अमेरिका इस डील से बाहर निकल गया। 2025-2026 में इसी मुद्दे को लेकर भयंकर युद्ध हुआ है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के दूसरे देश भी अंतरराष्ट्रीय संधियों का अपनी सुविधा के अनुसार व्याख्या करते रहे हैं। 1987 में अमेरिका और सोवियत संघ (अब रूस) के बीच एक समझौता हुआ। यह एक परमाणु नियंत्रण समझौता था, इसमें 500 से 5500 किलोमीटर रेंज वाली जमीन से लॉन्च होने वाली मिसाइलों को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया था। यह शीत युद्ध को कम करने वाला ऐतिहासिक समझौता था। इसके बावजूद दोनों देश अपने मिशन पर गुप्त रूप से लगे रहे। अमेरिका ने 2019 में अपनी ज़िम्मेदारियों से पीछे हट गया। फिर रूस ने भी ऐसा ही किया। इसके बाद 'इंटरमीडिएट-रेंज न्यूक्लियर फोर्सेस ट्रीटी' खत्म हो गई। अमेरिका ने रूस पर संधि का गंभीर उल्लंघन करने का आरोप लगाया और कहा कि रूस प्रतिबंधित 9एम729/एसएससी-8 मिसाइल बना रहा है। रूस ने तर्क दिया कि अमेरिका/नाटो की गतिविधियों (जैसे यूरोप में मिसाइल डिफेंस सिस्टम) और सुरक्षा के बदलते माहौल के कारण यह संधि अब पुरानी हो चुकी है। चीन द्वारा बिना किसी रोक-टोक के इंटरमीडिएट-रेंज मिसाइलें बनाई जा रही हैं। इसलिए अब इस संधि का कोई मतलब नहीं है। यानी इस संधि को लेकर किसी देश की प्रतिबद्धता नहीं थी। दोनों पक्षों ने संधि का पालन करना बंद कर दिया, जिससे यह संधि खत्म हो गई।

ओपन स्काइज संधि

ओपन स्काइज संधि का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सैन्य गतिविधियों में पारदर्शिता बढ़ाना था। इसके तहत सदस्य देश एक-दूसरे के ऊपर निगरानी उड़ानें भर सकते थे। 2020 में अमेरिका ने इस संधि से हटने की घोषणा की। कुछ समय बाद रूस भी इससे अलग हो गया। परिणामस्वरूप शीतयुद्ध के बाद स्थापित विश्वास निर्माण की एक महत्वपूर्ण व्यवस्था समाप्त हो गई।

यूनेस्को और संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं से अमेरिका की दूरी

अमेरिका कई बार संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न संस्थाओं से बाहर निकल चुका है। 1984 में उसने यूनेस्को छोड़ा, बाद में लौटा और फिर 2017 में दोबारा बाहर निकल गया। इसके पीछे वित्तीय बोझ और राजनीतिक पक्षपात जैसे कारण बताए गए। बाद के वर्षों में अमेरिका फिर संगठन में शामिल हुआ। इससे यह स्पष्ट होता है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ संबंध अक्सर सरकारों के बदलने के साथ बदलते रहते हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस और पश्चिमी देशों के संबंधों में अभूतपूर्व तनाव आया। रूस ने 2023 में यूरोप की पारंपरिक सशस्त्र बल संधि (सीएफई) से हटने की घोषणा की। मॉस्को का कहना था कि नाटो के लगातार विस्तार ने इस संधि को अप्रासंगिक बना दिया है। रूस ने यूरोप की कई अन्य व्यवस्थाओं और संस्थागत ढांचों से भी दूरी बनाई। दूसरी ओर पश्चिमी देशों ने रूस पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया। ब्रेक्जिट आधुनिक इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाओं में गिना जाता है। 2016 के जनमत संग्रह में ब्रिटिश जनता ने यूरोपीय संघ छोड़ने के पक्ष में मतदान किया और 2020 में ब्रिटेन औपचारिक रूप से यूरोपीय संघ से बाहर हो गया। ब्रेक्जिट समर्थकों का तर्क था कि इससे ब्रिटेन अपनी सीमाओं, कानूनों, व्यापार और आव्रजन नीति पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त करेगा। जबकि आलोचकों का मानना था कि इससे व्यापार, निवेश और श्रम बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। चीन बहुत कम अवसरों पर किसी अंतरराष्ट्रीय समझौते से पूरी तरह बाहर निकला है। फ़िलीपींस की ओर से लाए गए एक मामले में यूएनसीएलओएस (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन) ने चीन के खिलाफ फैसला सुनाया और दक्षिण चीन सागर में चीन की ओर से कृत्रिम द्वीप बनाने को गलत करार दिया। चीन ने इस फैसले को पूरी तरह से खारिज कर दिया। चीन ने कभी भी ट्रिब्यूनल के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार नहीं किया। उसका तर्क था कि इस विवाद में संप्रभुता का मामला शामिल है, जिस पर ट्रिब्यूनल कोई फैसला नहीं दे सकता है और द्विपक्षीय बातचीत ही सही रास्ता है। उसने इस फैसले को गैर-कानूनी और राजनीतिक मकसद से प्रेरित माना और कहा कि यह उसकी 'निर्विवाद' क्षेत्रीय संप्रभुता और समुद्री अधिकारों पर बाध्यकारी नहीं है। इसके बावजूद चीन ने अपनी गतिविधियां जारी रखीं। इसके अलावा उसकी नीति आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के भीतर रहते हुए अपने प्रभाव को बढ़ाने की रही है। इसके साथ ही चीन ने एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी), बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) और ब्रिक्स जैसे मंचों को मजबूत कर वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में अपनी भूमिका का विस्तार किया है। यानी चीन समझौतों से बाहर निकलने की बजाय समानांतर संस्थागत ढांचे विकसित करने पर अधिक जोर देता है। अमेरिका ने केवल सुरक्षा और पर्यावरण ही नहीं बल्कि व्यापारिक समझौतों में भी राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दी है। ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (टीपीपी) से अमेरिका का बाहर निकलना इसका बड़ा उदाहरण है। अमेरिका का मानना था कि इस समझौते से घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को नुकसान होगा।

इसी तरह कई देशों ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों पर भी सवाल उठाए हैं और अपने उद्योगों की सुरक्षा के लिए संरक्षणवादी नीतियां अपनाई हैं। इससे वैश्विक मुक्त व्यापार व्यवस्था को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। विशेषज्ञों का मानना है कि आज की दुनिया बहुध्रुवीय होती जा रही है। अमेरिका, चीन, रूस, यूरोपीय संघ, भारत और अन्य क्षेत्रीय शक्तियां अपने-अपने हितों के अनुसार नीतियां बना रही हैं। ऐसे में किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह सभी प्रमुख देशों के हितों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि किसी देश को लगता है कि समझौते का आर्थिक बोझ अधिक है, सुरक्षा जोखिम बढ़ रहे हैं या उसकी संप्रभुता प्रभावित हो रही है तो उसके बाहर निकलने की संभावना बढ़ जाती है। यही कारण है कि अब केवल समझौते पर हस्ताक्षर पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें समय-समय पर बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ढालना भी आवश्यक हो गया है। भारत की संतुलित नीतिभारत और पाकिस्तान ने 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त की। दो साल बाद, दोनों देशों को साझा सिंधु नदी बेसिन के आधार पर गंभीर प्रबंधन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जलविद्युत ऊर्जा योजनाओं का समर्थन करने के अलावा नदी सिंचाई की जरूरतों को पूरा करती है। यह दोनों देशों में उपभोग के उद्देश्यों के लिए सीधे पानी की आपूर्ति भी करती है। इसके तुरंत बाद डायवर्जन के मुद्दे सामने आते हैं और संभावित डायवर्जन पर संघर्ष मंडराता रहता है। मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, विश्व बैंक ने दोनों देशों के बीच बैठक की मध्यस्थता की। लंबी चर्चा के बाद, सिंधु जल संधि पर भारत और पाकिस्तान के बीच 19 सितंबर, 1960 को हस्ताक्षर किए गए थे। इसने पानी के शांतिपूर्ण और समान विभाजन और नियंत्रण का मार्ग प्रशस्त किया। बावजूद इसके भारत ने अधिकांश वैश्विक समझौतों में संतुलित और व्यावहारिक नीति अपनाई है। आमतौर पर भारत बहुपक्षवाद का समर्थन करता है लेकिन किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करता। जलवायु परिवर्तन, व्यापार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक दक्षिण के मुद्दों पर भारत लगातार स्पष्ट करता रहा है कि विकासशील देशों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखे बिना कोई भी वैश्विक व्यवस्था टिकाऊ नहीं हो सकती। अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उद्देश्य वैश्विक सहयोग, शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना है लेकिन वास्तविकता यह है कि प्रत्येक देश अंततः अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। अमेरिका का पेरिस जलवायु समझौते और डब्ल्यूएचओ से बाहर निकलना, रूस का हथियार नियंत्रण संधियों से हटना, ब्रिटेन का यूरोपीय संघ छोड़ना और चीन का वैकल्पिक वैश्विक संस्थानों को बढ़ावा देना- ये सभी उदाहरण बताते हैं कि आज की विश्व राजनीति में आदर्शवाद से अधिक यथार्थवाद प्रभावी है। फिर भी जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और परमाणु प्रसार जैसी चुनौतियां किसी एक देश की सीमा तक सीमित नहीं हैं। इसलिए राष्ट्रीय हितों की रक्षा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। आने वाले वर्षों में विश्व व्यवस्था की स्थिरता इस बात पर निर्भर करेगी कि बड़ी शक्तियां प्रतिस्पर्धा और सहयोग के बीच कितना संतुलन स्थापित कर पाती हैं।

कैसे मानव जीवन का अभिन्न अंग बन गया वर्ल्ड वाइड वेब

इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का ऐसा खजाना है, जिसके माध्यम से किसी एक कोने में बैठे हुए ही आप दुनिया भर की सैर कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर की हर प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियों को एक छोटे से बंद कमरे में रखे कम्प्यूटर या मोबाइल की स्क्रीन पर समेटकर ला देने वाला मूल मंत्र डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू (वर्ल्ड वाइड वेब) आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यही शब्द प्रतिदिन दुनियाभर में करोड़ों कम्प्यूटरों पर असंख्य बार टाइप किया जाता है लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इंटरनेट की मायावी दुनिया में प्रवेश कराने वाली यह खिड़की कब और कैसे अस्तित्व में आई.

योगेश गोयल

वर्ष 1989 में डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू नामक इस मायावी शब्द को जन्म दिया था ऑक्सफोर्ड के क्वींस कॉलेज से ग्रेजुएशन कर चुके टिम बर्नर्स ली ने। वर्तमान में वेबपेज से जुड़ने या उसका निर्माण करने के लिए जो भी तरीके अपनाए जाते हैं, उनके पीछे बर्नर्स का ही दिमाग है। 8 जून 1955 को लंदन में जन्मे बर्नर्स ली ने 1976 में ऑक्सफोर्ड के क्वींस कालेज से ग्रेजुएशन किया था और उसी दौरान मात्र 21 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपने लिए एक छोटा सा कम्प्यूटर सैट बना लिया था। बर्नर्स ली के दिमाग में 1980 में अचानक ही डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू से संबंधित शुरूआती विचार आया। उस दौरान वह एक कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने कम्प्यूटर में मौजूद विभिन्न फाइलों को आपस में जोड़ने के लिए इनक्वायर नामक एक प्रोग्राम तैयार किया था। वह कम्प्यूटर पर मौजूद अपने दस्तावेजों और फाइलों को खोलने के लिए कुछ खास कोड नंबरों का प्रयोग किया करते थे और उनका यह तरीका कम्प्यूटर पर सफलतापूर्वक काम भी करता था किन्तु उन्होंने इससे भी आगे कुछ करने की ठानी थी।

दरअसल बर्नर्स ली एक ऐसा ग्लोबल प्रोजेक्ट बनाना चाहते थे, जिसकी मदद से दुनिया के सभी कम्प्यूटरों को एक व्यापक सूचना तंत्र द्वारा जोड़ा जा सके और उन्हें अपने उद्देश्य में सफलता भी मिली। वह इंटरनेट के जरिये दुनियाभर के लोगों को सूचनाओं के एक विस्तुत नेटवर्क से जोड़ पाने में सफल हो गए। इस तरह इंटरनेट पर 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' की शुरूआत 1991 में हुई।

टिम बर्नर्स-ली को एक इंटरनेट-आधारित संचार प्रणाली विकसित करने में उनकी रचनात्मकता के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 1 अगस्त को 'वर्ल्ड वाइड वेब दिवस' मनाया जाता है। 1993 में इंटरनेट पर 'टेक्सट' के साथ-साथ पिक्चर्स व ग्राफिक्स का प्रसारण भी शुरू हो गया, जिससे धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़नी शुरू हो गई और आज इंटरनेट की लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या आज दुनिया भर में करोड़ों में हैं।

वैसे तो आज दुनियाभर में हर कोई इस बात से परिचित है कि इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का खजाना है पर आपको यह खजाना खोजना भी तो आना चाहिए। दरअसल वर्ल्ड वाइड वेब पर एक ही विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियों के असंख्य पृष्ठ भरे पड़े हैं, यदि आपको उनमें से अपने मतलब की जानकारी खोजने का तरीका ही मालूम नहीं हो तो आपके लिए यह सब किस काम के? मान लिया जाए कि जिस विषय पर आपको किसी जानकारी की आवश्यकता है, उससे संबंधित कुछ वेबसाइटों की आपको जानकारी भी है लेकिन यदि उन वेबसाइटों पर आपके मतलब की जानकारी न मिले, तब आप क्या करेंगे? आपकी इसी मुश्किल को आसान करता है इंटरनेट सर्च इंजन। इंटरनेट पर कुछ भी खोजते समय इंटरनेट सर्च इंजन ही आपकी मदद करता है। जिस भी विषय के बारे में आप जानकारी चाहते हैं, इंटरनेट सर्च इंजन के टूल बार में उसका नाम टाइप करने के बाद एक क्लिक करते ही यह उस विषय से संबंधित ढ़ेरों पेज आपके सामने खुल जाते हैं और इस तरह आप अपनी जरूरत आसानी से पूरी कर सकते हैं।

दरअसल सर्च इंजन एक ऐसा प्रोग्राम है, जो विभिन्न प्रोग्राम्स के तहत कार्य करता है और इंटरनेट पर उपलब्ध सभी वेबसाइटों के लाखों-करोड़ों पृष्ठों को अपने अंदर समेटे रहता है। यही नहीं, इन पृष्ठों की संख्या में आए दिन वृद्धि होती जाती है। यह वेब आधारित एक ऐसी विशेष साइट है, जिसकी सहायता से आप किसी भी विषय पर एकत्रित की गई सूचनाओं तक आसानी से पहुंच सकते हैं। जब भी आप सर्च इंजन में कोई शब्द या वाक्य टाइप कर उससे संबंधित जानकारी चाहते हैं तो सर्च इंजन उस शब्द या वाक्य से संबंधित पृष्ठों की एक विस्तृत सूची बनाकर आपके सामने लाकर रख देता है, जिसमें से आप अपनी जरूरत की जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। 'गूगल', 'याहू' इत्यादि कुछ ऐसे सर्च इंजन हैं, जो आज दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं और प्रतिदिन लाखों-करोड़ों बार हिट किए जाते हैं।

यदि आप किसी खास विषय से संबंधित जानकारी पाना चाहते हैं तो अपनी खोज को विशेष बनाने के लिए टाइप किए जाने वाले शब्दों के साथ + , - द्व इत्यादि चिन्हों का प्रयोग कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर पर यदि आप चाहते हैं कि आप द्वारा खोजे जा रहे वेबपज पर इंदिरा और राजीव दोनों का ही नाम हो तो आप सर्च इंजन के टूल बार में इंदिरा+राजीव टाइप करके एंटर कर दें, आप द्वारा चाही गई जानकारी कुछ ही पलों में आपके सामने होगी। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

केल्हारी में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को मिली नई रफ्तार, जीवन दीप समिति ने लिए कई अहम फैसले

विधायक रेणुका सिंह की अध्यक्षता में बैठक, डेंटल यूनिट शुरू; शव वाहन, मरचुरी, 64 KVA DG सेट सहित स्टाफ नर्स व चौकीदार की नियुक्ति का निर्णय

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। विधायक रेणुका सिंह की अध्यक्षता में जीवन दीप समिति (JDS) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, अस्पताल अधोसंरचना के विकास तथा मरीजों एवं उनके परिजनों की सहूलियत से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई बैठक के दौरान केल्हारी में नई डेंटल यूनिट का शुभारंभ किया गया। इससे क्षेत्र के ग्रामीणों को दांतों से संबंधित उपचार के लिए दूरस्थ अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही बेहतर दंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

विधायक निधि से शव वाहन की घोषणा: विधायक रेणुका सिंह ने क्षेत्रवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अपनी विधायक निधि से सर्वसुविधायुक्त शव वाहन (मॉर्चरी वैन) उपलब्ध कराने की घोषणा की। इससे जरूरतमंद परिवारों को शव परिवहन की सुविधा मिल सकेगी और उन्हें आर्थिक एवं व्यावहारिक परेशानियों से राहत मिलेगी।

अस्पताल अधोसंरचना को मिलेगा विस्तार: बैठक में चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवास, किचन शेड तथा अस्पताल की अधूरी बाउंड्री वॉल के निर्माण पर भी सहमति बनी। इन कार्यों को CMPHDF मद से कराये जाने के लिए प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्णय लिया गया वहीं अस्पताल में DMF मद से मरचुरी स्थापित करने की दिशा में भी जल्द कार्रवाई किए जाने पर सहमति बनी। अस्पताल में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 64 KVA DG सेट उपलब्ध कराने हेतु शासन को मांग पत्र भेजा जाएगा।

CCTV और Ac से बढ़ेगी मरीजों की सुविधा: जीवन दीप समिति मद से अस्पताल परिसर में मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए Ac की व्यवस्था तथा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए CCTV कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया। इससे अस्पताल परिसर की निगरानी बेहतर होने के साथ मरीजों और उनके परिजनों को अधिक सुविधाजनक वातावरण मिल सकेगा कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि, नई नियुक्तियों को मंजूरी बैठक में JDS कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि का निर्णय लिया गया। साथ ही अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए JDS मद से स्टाफ नर्स एवं चौकीदार के पदों पर नई नियुक्तियां करने का भी फैसला लिया गया।

जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी रहे मौजूद: बैठक में जिला पंचायत सदस्य अनीता, विधायक प्रतिनिधि एवं मंडल अध्यक्ष केल्हारी रवि गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। चिकित्सा एवं प्रशासनिक अधिकारियों में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे, SDM केल्हारी इंदिरा मिश्रा, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश जायसवाल, जनपद CEO सुवैशाली सिंह, संस्था प्रभारी डॉ. महेश सिंह, शिशिर जायसवाल एवं डॉ. वासिक असदक सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे इसके अलावा CGMSC के कार्यपालन अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता, छ्स्थ्क्क के कनिष्ठ अभियंता, वन विभाग के उप वनमंडलाधिकारी, थाना प्रभारी केल्हारी, BPM मनेन्द्रगढ़ सुलेमान खान, चिकित्सा अधिकारी केल्हारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे बैठक में लिए गए निर्णयों से केल्हारी क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र में उपचार, अधोसंरचना, सुरक्षा, विद्युत आपूर्ति एवं मानव संसाधन से जुड़ी सुविधाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्रवासियों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

2 अगस्त को जिले में होगा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक कर स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 2 अगस्त रविवार को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय परिसर, मनेंद्रगढ़ में किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे तक होगा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल होंगे। उनके मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के छात्र-छात्राओं, युवाओं, शिक्षकों, प्राचार्यों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड, माय भारत वालंटियर्स तथा आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई जाएगी तथा नशे के विरुद्ध जनजागरूकता का संदेश दिया जाएगा यह कार्यक्रम संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य युवाओं को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के लगभग 10 हजार स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों से वर्चुअल माध्यम से युवाओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के साथ ही 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ होगा। यह अभियान लगातार 100 दिनों (प्रत्येक रविवार) तक संचालित किया जाएगा, जिसके माध्यम से मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जिले के युवाओं विद्यार्थियों एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर नशामुक्त भारत के संकल्प को मजबूत बनाने का आग्रह किया है।

राखी निर्माण से आत्मनिर्भर बन रहीं महिलाएं, बिहान योजना से स्वरोजगार को मिली नई उड़ान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। रक्षाबंधन पर्व से पहले मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में बिहान योजना के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को राखी निर्माण का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार की दिशा में नई पहल की जा रही है कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को रोजगारपरक कौशल से जोड़कर उनकी आय के स्थायी स्रोत विकसित करना और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है प्रशिक्षण में महिलाओं को आकर्षक एवं डिजाइनर राखियां तैयार करने, रंगों के समन्वय, सजावट, फिनिशिंग, पैकेजिंग तथा विपणन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है इसके साथ ही डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से उत्पादों की बिक्री के गुर भी सिखाए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीण महिलाएं स्थानीय बाजार के साथ प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों तक अपने उत्पाद पहुंचा सकें प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने बताया कि बिहान योजना ने उन्हें अपने हुनर को रोजगार में बदलने का अवसर दिया है राखी निर्माण के साथ वे भविष्य में दीपावली तीज, करवा चौथ और अन्य त्योहारों के लिए भी हस्तनिर्मित उत्पाद तैयार कर समूह की आय बढ़ाने की योजना बना रही हैं उनका कहना है कि प्रशिक्षण से न केवल नया कौशल मिला है, बल्कि अपने उत्पादों की मार्केटिंग और बिक्री का आत्मविश्वास भी बढ़ा है जिले में बिहान योजना के माध्यम से महिलाओं के कौशल विकास, स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों को मिली नई रफ्तार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पसौरी में छात्राओं को वितरित की गईं नि :शुल्क साइकिलें

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन की महत्वाकांक्षी निःशुल्क सरस्वती साइकिल योजना के तहत शुक्रवार को विकासखंड केल्हारी अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पसौरी में कक्षा 9वीं की छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना, उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ाना तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच, मंडल अध्यक्ष केल्हारी तथा विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन और मेहनत के साथ अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रेरित किया विद्यालय के प्राचार्य सुरेश कुमार उदय ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी पहल है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों की बालिकाओं को विद्यालय पहुंचने में सुविधा मिलेगी, उनकी शिक्षा में निरंतरता बनी रहेगी तथा विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति में कमी आएगी। उन्होंने छात्राओं से इस सुविधा का सदुपयोग करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया कार्यक्रम में सरपंच राधना सिंह, धीरज मौर्य मंडल अध्यक्ष केल्हारी, वीरेंद्र सिंह एसएमसी अध्यक्ष, रविनाथ एसएमसी उपाध्यक्ष, धर्मेंद्र मिश्रा, अजमेर सिंह एसएमसी सदस्य, उषा रानी तिर्की सहित विद्यालय का समस्त शिक्षकीय स्टाफ एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने शासन की इस जनकल्याणकारी योजना के लिए आभार व्यक्त करते हुए नियमित रूप से विद्यालय आकर मन लगाकर पढ़ाई करने का संकल्प लिया।

बिजली कटौती विरोध पर सरपंच समेत कई ग्रामीणों पर FIR डायल-112 प्रभावित होने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के सिरसौद क्षेत्र में बिजली कटौती के विरोध प्रदर्शन के बाद अमोला थाना पुलिस ने शुक्रवार को सरपंच अतर सिंह लोधी सहित कई ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मामला सोमवार को सिरसौद-पिछोर मार्ग पर हुए चक्काजाम से जुड़ा है। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि यह कार्रवाई बुधवार को ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की प्रतीकात्मक अर्थी निकालने के विरोध प्रदर्शन के बाद हुई है विद्युत कंपनी के लाइनमैन हरभजन जोशी (61), निवासी करैरा ने यह एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि 27 जुलाई की सुबह करीब 8 बजे जब वे ड्राइवर रामनिवास कुशवाह के साथ मामौनी खुर्द जा रहे थे, तब सिरसौद के पास काली माता मंदिर नाले के समीप ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम कर रखा था शिकायत के अनुसार, राहुल सैन, प्रमोद कुशवाह, केशव लोधी, हेमंत लोधी, अतर सिंह लोधी, हरिकिशन लोधी, राधे वाल्मीकि, कल्ला कोली, रिंकू परिहार, पुष्पेंद्र लोधी, महेंद्र झा, धर्मेंद्र लोधी और अन्नी परिहार सहित 50-60 लोग सड़क पर बैठे थे। इस चक्काजाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आम लोगों के साथ-साथ एम्बुलेंस और डायल-112 जैसी आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित हुईं इस शिकायत के आधार पर अमोला थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि सिरसौद के ग्रामीण पिछले कई दिनों से 10 से 12 घंटे की बिजली कटौती से परेशान थे। इसी समस्या को लेकर सोमवार को तीन घंटे तक चक्काजाम किया गया था।

सेवा सेतु पोर्टल से तीन दिनों में मिला निवास प्रमाण पत्र, हितग्राही ने जताई खुशी

ग्राम जनकपुर निवासी दिव्यांश प्रधान ने कहा - सेवा सेतु के माध्यम से आसान हुई शासकीय सेवाओं की पहुंच

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत जनकपुर निवासी दिव्यांश प्रधान को छत्तीसगढ़ शासन के सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से समयबद्ध एवं पारदर्शी शासकीय सेवा का लाभ मिला। उन्होंने स्वय के निवास प्रमाण पत्र के लिए 26 जुलाई 2026 को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन के त्वरित निराकरण के बाद 29 जुलाई 2026 को उनका निवास प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया, जिससे उन्हें समय पर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त हो गया। दिव्यांश प्रधान ने बताया कि सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने की प्रक्रिया बेहद सरल और सुविधाजनक रही। बिना किसी अनावश्यक भागदौड़ के निर्धारित समय में निवास प्रमाण पत्र मिल जाने से आवश्यक शैक्षणिक एवं अन्य कार्यों में सुविधा हुई। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु व्यवस्था के कारण समय और धन दोनों की बचत हुई तथा पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं तेजी से उपलब्ध हो रही हैं। इससे लोगों का सरकारी सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है और आवश्यक प्रमाण पत्र समय पर मिल रहे हैं। इस जनहितकारी पहल के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह व्यवस्था आम लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

सेवा सेतु पोर्टल का कमाल : 3 दिन में मिला जन्म प्रमाण पत्र, अखराडांड़ की यशोदा ने सीएम साय को कहा- धन्यवाद

घर बैठे ऑनलाइन आवेदन, बिना दफ्तरों के चक्कर लगाए समय पर मिला प्रमाण पत्र डिजिटल सेवा से बचा समय और धन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार की डिजिटल पहल 'सेवा सेतु पोर्टल आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक और त्वरित शासकीय सेवाओं का माध्यम बनता जा रहा है। अब लोगों को जरूरी दस्तावेजों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ रही है ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से घर बैठे ही शासकीय सेवाओं का लाभ मिल रहा है इसका ताजा उदाहरण मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम अखराडांड़ की निवासी यशोदा चौहान के मामले में सामने आया है यशोदा चौहान ने अपने पुत्र राकेश यादव के जन्म प्रमाण पत्र के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन के बाद प्रशासन की त्वरित कार्यप्रणाली से महज तीन दिनों के भीतर जन्म प्रमाण पत्र जारी कर हितग्राही को उपलब्ध करा दिया गया बिना भागदौड़ के मिला जरूरी दस्तावेज जन्म प्रमाण पत्र समय पर मिलने से प्रसन्न यशोदा चौहान ने बताया कि पहले शासकीय दस्तावेज बनवाने के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे इससे समय और धन दोनों खर्च होते थे लेकिन सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक है उन्होंने कहा कि बिना अनावश्यक भागदौड़ के निर्धारित समय में प्रमाण पत्र मिलने से उनके पुत्र के शैक्षणिक एवं अन्य जरूरी कार्य अब आसानी से पूरे हो सकेंगे उन्होंने डिजिटल व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि ऑनलाइन प्रक्रिया से न केवल समय की बचत हुई, बल्कि आने-जाने में होने वाला खर्च भी बचा है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों के लिए शासकीय सेवाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक सुलभ हुई हैं पारदर्शी डिजिटल व्यवस्था से बढ़ा भरोसा यशोदा चौहान ने सेवा सेतु पोर्टल की पारदर्शी एवं त्वरित व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी डिजिटल सेवाओं से आम नागरिकों का शासन-प्रशासन के प्रति भरोसा मजबूत हो रहा है।

जल जीवन मिशन से बदली धनौली की तस्वीर, अब जल संरक्षण की मिसाल बन रहा गांव

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बरौता के आश्रित ग्राम धनौली की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है कभी पेयजल संकट से जूझने वाला यह गांव आज हर घर तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के साथ जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता की प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभर रहा है।

पहले पानी के लिए करना पड़ता था संघर्ष: पूर्व में धनौली के ग्रामीणों को पेयजल के लिए हैंडपंप, नदी एवं कुओं पर निर्भर रहना पड़ता था। दूर-दराज से पानी लाने में महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की अधिक खपत होती थी।

जल जीवन मिशन से बदली व्यवस्था: लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में जल स्रोतों का विकास, पानी टंकी का निर्माण, मोटर पंप की स्थापना तथा पाइपलाइन विस्तार का कार्य किया गया। इसके परिणामस्वरूप अब गांव के प्रत्येक घर तक नियमित एवं सुचारू रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। इससे ग्रामीणों की दैनिक जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन आया है और उन्हें पेयजल के लिए भटकना नहीं पड़ता।

दैनिक जीवन में आया सकारात्मक बदलाव: घर-घर नल से पानी पहुंचने के कारण ग्रामीणों को अब पेयजल के लिए भटकना नहीं पड़ता। इससे महिलाओं का समय बच रहा है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं हो रही है और ग्रामीणों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है।

जल संरक्षण और स्वच्छता पर बढ़ी जागरूकता: ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की सक्रिय निगरानी तथा ग्रामीणों की सहभागिता से गांव में जल संरक्षण, स्वच्छता एवं साफ-सफाई के प्रति भी व्यापक जागरूकता विकसित हुई है। ग्रामीण जल स्रोतों के संरक्षण, पानी के विवेकपूर्ण उपयोग और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

ग्रामीण विकास की बनी प्रेरणादायक मिसाल: जल जीवन मिशन के माध्यम से धनौली में आया यह परिवर्तन ग्रामीण विकास की एक सफल मिसाल है। यह पहल न केवल प्रत्येक घर तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने में सफल रही है बल्कि जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से गांव को आत्मनिर्भर एवं जागरूक बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

वैज्ञानिक खेती से सफलता की राह : नैनो डीएपी अपनाकर बैजनाथ और धर्मपाल बने प्रगतिशील किसान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के ग्राम चैनपुर और लालपुर के प्रगतिशील किसान बैजनाथ और धरमपाल ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर यह साबित कर दिया है कि खेती में बदलाव की शुरुआत नई सोच और सही मार्गदर्शन से होती है इफको नैनो डीएपी के सफल उपयोग ने उनकी खेती को नई दिशा दी है। अब कम लागत में बेहतर उत्पादन की उम्मीद ने न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी वे प्रेरणा बन गए हैं। बैजनाथ और धरमपाल लंबे समय से खेती-किसानी से जुड़े हैं। खेती ही उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख साधन है। बीते कुछ वर्षों से रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती कीमत और उत्पादन को लेकर बनी अनिश्चितता उनके सामने बड़ी चुनौती थी ऐसे समय में कृषि विभाग एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित चैनपुर और लालपुर शाखा मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से उन्हें इफको नैनो डीएपी के बारे में जानकारी प्राप्त हुई विभागीय अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों ने उन्हें बताया कि यह आधुनिक उर्वरक कम मात्रा में उपयोग होने के बावजूद पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराता है और फसल की गुणवत्ता तथा उत्पादन बढ़ाने में सहायक सिद्ध होता है विशेषज्ञों की सलाह पर बैजनाथ और धर्मपाल ने अपनी फसल में नैनो डीएपी का प्रयोग किया। कुछ ही समय में खेतों में इसके सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे। फसल की बढ़वार पहले की तुलना में अधिक तेज हुई, पौधों में हरियाली बढ़ी और उनकी मजबूती भी स्पष्ट नजर आने लगी इससे बेहतर उत्पादन की उम्मीद मजबूत हुई और खेती के प्रति उनका विश्वास भी पहले से अधिक बढ़ गया नैनो डीएपी के उपयोग से पारंपरिक उर्वरकों पर होने वाला खर्च भी कम हुआ। इससे खेती की लागत घटी और भविष्य में अधिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ी। बैजनाथ और धरमपाल का मानना है कि यदि किसान नई तकनीकों को अपनाने का साहस करें और कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के अनुसार कार्य करें तो खेती को अधिक लाभदायक बनाया जा सकता है वे बताते हैं कि शुरुआत में उन्हें इस नई तकनीक पर भरोसा नहीं था, लेकिन प्रयोग के बाद मिले सकारात्मक परिणामों ने उनकी सोच बदल दी।

मंदसौर में झमाझम बारिश, अब तक 14.76 इंच पानी गिरा

तापमान में गिरावट से मौसम सुहाना, अगले 4 दिन रुक-रुककर बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर मंदसौर,(निप्र)। मंदसौर में गुरुवार दोपहर बाद शुरू हुआ बारिश का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक कई क्षेत्रों में झमाझम बारिश हुई। शुक्रवार सुबह बारिश थमने के बाद दोपहर तक कई जगह धूप निकल आई, लेकिन आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही। पिछले 24 घंटे में जिले में करीब एक इंच बारिश दर्ज की गई।

लगातार हो रही बारिश से मौसम सुहाना हो गया है, तापमान में गिरावट आई है और खरीफ फसलों को भी भरपूर नमी मिली है। मौसम विभाग ने अगले चार से पांच दिनों तक जिले में मानसून सक्रिय रहने और रुक-रुककर बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया है।

अब तक 14.76 इंच बारिश, फिर भी पिछले साल से कम: इस मानसून सीजन में अब तक जिले में 14.76 इंच वर्षा दर्ज की जा चुकी है। हालांकि यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में करीब पांच इंच कम है। वर्ष 2025 में इसी अवधि तक जिले में 19.31 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

बावजूद इसके हाल के दिनों में हुई बारिश से जिले में मानसून की गतिविधियां तेज हुई हैं।

कई क्षेत्रों में हुई अच्छी बारिश: जिला मुख्यालय के अलावा अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, दलौदा, मल्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा सहित कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण वातावरण में ठंडक घुल गई और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली।

तापमान में आई गिरावट: लगातार बारिश और बादलों की वजह से जिले के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को बारिश रुकने के बाद कुछ समय के लिए धूप जरूर निकली, लेकिन बादलों की आवाजाही पूरे दिन बनी रही। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को राहत महसूस हुई।

खरीफ फसलों के लिए फायदेमंद बारिश

हाल के दिनों में हुई बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी बनी हुई है। किसानों का कहना है कि सोयाबीन, मक्का और उड़द जैसी खरीफ फसलों की बढ़वार के लिए यह बारिश काफी लाभदायक साबित होगी। पर्याप्त नमी मिलने से फसलों के उत्पादन पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

अगले चार से पांच दिन सक्रिय रहेगा मानसून

मौसम विभाग के अनुसार जिले में मानसून पूरी तरह सक्रिय बना हुआ है। शुक्रवार को भी बादलों की आवाजाही जारी रहेगी और कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 32 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

4 अगस्त तक बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार 1 अगस्त तक हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर गरज-चमक और तेज बौछारें पड़ सकती हैं। वहीं 2 से 4 अगस्त के बीच भी रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। लगातार बादल छाए रहने से दिन के तापमान में अधिक बढ़ोतरी नहीं होगी और मौसम सुहाना बना रहेगा।

जलभराव वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने की सलाह

मौसम विभाग का कहना है कि अगले चार से पांच दिनों तक जिले में मानसून सक्रिय रहेगा। लगातार बारिश से किसानों को फसलों के लिए पर्याप्त नमी मिलेगी।

बुरहानपुर में झमाझम बारिश : शाम से मौसम बदला, रात में कई इलाकों में जल जमाव, 15.9 इंच बारिश दर्ज

मीडिया ऑडीटर बुरहानपुर,(निप्र) बुरहानपुर जिले में गुरुवार शाम से मौसम का मिजाज बदल गया। शाम 6:30 बजे के बाद शुरू हुई बारिश रात 8 बजे तक तेज हो गई, जिससे शहर के कई इलाकों में जल जमाव की स्थिति बन गई। जिले में 1 जून से अब तक कुल 15.9 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। तेज बारिश के कारण लोहार मंडी, सिंधीपुरा, हरीरपुरा, मोमिनपुरा, शनवारा, आलमगंज और मालीवाड़ा सहित अन्य क्षेत्रों की सड़कें पानी में डूब गईं। इससे आमजन को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। गुरुवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस था, जिसमें बारिश के बाद गिरावट दर्ज की गई। जिले की औसत वार्षिक बारिश का आंकड़ा 823.6 मिमी है। इस साल 1 जून से अब तक औसत 402.9 मिमी बारिश हुई है, जो पिछले साल की इसी अवधि में हुई 258.4 मिमी बारिश से काफी अधिक है। इंच में बात करें तो इस साल 15.9 इंच बारिश हुई है, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 10.2 इंच था। तहसीलवार स्थिति इस प्रकार हैः बुरहानपुर में 1 जून से अब तक 415.5 मिमी बारिश हुई है, जबकि पिछले साल यह 185.7 मिमी थी। नेपानगर में 572.5 मिमी (पिछले साल 292.0 मिमी), धूलकोट में 465.3 मिमी (पिछले साल 186.8 मिमी) और खकनार में 158.4 मिमी (पिछले साल 369.2 मिमी) बारिश दर्ज की गई है।

सागर में लूट और चाकूबाजी में फरार आरोपी गिरतार

सराफा व्यापारी पर चाकू से हमला कर लूटे थे 35 हजार, तीन पहले ही जा चुके हैं जेल

मीडिया ऑडीटर सागर, (निप्र) । सागर के मोतीनगर थाना पुलिस ने सराफा व्यापारी के साथ लूट और चाकूबाजी की वारदात में एक माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को थाने लाकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस पहले ही तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

सराफा व्यापारी से की थी लूट: पुलिस के अनुसार 17 जून को ग्राम रिछावर निवासी मनीष सोनी ने मोतीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मनीष सोनी सोना-चांदी का फुटकर व्यापार करते हैं। उन्होंने बताया कि वह सामान

खरीदने के लिए बड़ा बाजार आए थे और उनके पास 35 हजार रुपए नकद थे।

रास्ता रोककर किया हमला: शिकायत के अनुसार 17 जून की शाम करीब 4:30 से 5 बजे के बीच गुलाब बाबा मंदिर के पास अचानक एक ऑटो और एक बाइक से चार युवक पहुंचे। आरोपियों ने उनका रास्ता रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी उनकी जेब में रखे 35 हजार रुपए लूटकर मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने शुरू की तलाश: घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। पुलिस ने लगातार अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपी ओम कोरी, निखिल बंसल और नीलेश बंसल को गिरफ्तार कर लिया। तीनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था।

एक माह से फरार था चौथा आरोपी: वारदात में शामिल चौथा आरोपी सोनू बच्चा उर्फ राज वाल्मीकि घटना के बाद से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी और मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया था। गुरुवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि फरार आरोपी एक स्थान पर मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने दबिश देकर संत कबीर वार्ड निवासी 19 वर्षीय सोनू बच्चा उर्फ राज वाल्मीकि को गिरफ्तार कर लिया।

इटारसी में बिजली सप्लाई चालू ,मौसम खराब होने से गांधीनगर फीडर का मेंटेनेंस टला

मीडिया ऑडीटर इटारसी। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने इटारसी में आज शुक्रवार को बिजली कटौती होने वाली थी। बुधी माता उपकेंद्र से संचालित 11 केवी गांधीनगर फीडर पर मेंटेनेंस कार्य के कारण सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहती। विद्युत वितरण कंपनी के असिस्टेंट इंजीनियर डेलन पटेल ने बताया कि मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। लेकिन मौसम संबंधी विषम परिस्थितियों के कारण बूढी माता उपकेंद्र से संचालित 11 केवी गांधीनगर फीडर पर प्रस्तावित मेंटेनेंस कार्य स्थगित कर दिया गया है। इसके चलते संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति पूर्व निर्धारित समय के अनुसार बंद नहीं की जाएगी और बिजली सप्लाई सुचारू रूप से जारी रहेगी।

सिवनी मालवा में सड़क पर पार्क वाहनों से यातायात प्रभावित, बैंकों के ग्राहकों और दुकानदार आधी रोड तक वाहन खड़े कर रहे

मीडिया ऑडीटर सिवनी मालवा,(निप्र)। सिवनी मालवा के हरदा-होशंगाबाद मुख्य मार्ग पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बानापुरा से सिवनी मालवा तक जारी निर्माण के चलते सड़क का एक हिस्सा खोद दिया गया है, जिससे वाहनों की आवाजाही केवल एक तरफ से हो पा रही है। निर्माण कार्य के बीच बैंकों के ग्राहकों और

दुकानदारों द्वारा आधी सड़क तक वाहन खड़े किए जाने से रोजाना जाम की स्थिति बन रही है। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय वाहन चालक वीरेंद्र गुर्जर ने बताया कि सड़क पर गाड़ियां निकालने तक की जगह नहीं बचती। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया।

तीन बार नोटिस के बाद भी नहीं सुधरे हालात: नगर पालिका सीएमओ अमर सिंह उइके ने बताया कि नगर पालिका की ओर से संबंधित बैंकों और दुकानदारों को पहले ही तीन बार नोटिस दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद लोग सड़क पर ही वाहन खड़े कर रहे हैं, जिससे यातायात व्यवस्था बिगड़ रही है।

सोमवार से होगी चालानी कार्रवाई: सीएमओ उइके ने साफ कर दिया है कि अब समझाइश का समय खत्म हो चुका है। सोमवार से सड़क पर अवैध रूप से वाहन पार्क करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। नगर पालिका ने नागरिकों, व्यापारियों और बैंक प्रबंधन से वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करने की अपील की है ताकि निर्माण कार्य के दौरान यातायात सुचारू बना रहे।

पिपरिया में दो बाइक की टक्कर, किसान की मौत

● बराहकला से मंडी में मूंग बेचने आया, घर लौटते समय हादसा, दूसरे घायल का इलाज जारी

पिपरिया,(निप्र) । पिपरिया बरेली हाईवे पर गुरुवार शाम खापरखेड़ा गांव के मुख्य मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। सरकारी अस्पताल के डॉक्टर देवेंद्र ठाकुर ने बताया कि दुर्घटना में घायल दो लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें सोहागपुर तहसील के पालाखेड़ी निवासी राम किशोर (37) और बरेली तहसील के बराहकला निवासी देवी सिंह (35) शामिल थे। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। डॉक्टर देवेंद्र ठाकुर ने आगे बताया कि रात 9 बजे घायल देवी सिंह के परिजन सरकारी अस्पताल पहुंचे। उपचार के दौरान देवी सिंह की मौत हो गई। मंगलवारा थाना प्रभारी आदित्य सैया ने जानकारी दी कि मामले की जांच की जा रही है। परिजनों ने बताया कि देवी सिंह पिपरिया मंडी में मूंग बेचने आया था, शाम को वह गांव लौट रहा था तभी यह दुर्घटना हो गई।

कानपुर-मदुरई स्पेशल ट्रेन के 4 अतिरिक्त फेर

इटारसी के रास्ते चलेगी, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

मीडिया ऑडीटर इटारसी, (निप्र) । रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए कानपुर सेंट्रल-मदुरई-कानपुर सेंट्रल स्पेशल ट्रेन के चार-चार अतिरिक्त फेरे चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी, जिससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरई स्पेशल ट्रेन 5 अगस्त से 26 अगस्त 2026 तक प्रत्येक बुधवार को कुल चार फेरे लगाएगी। यह ट्रेन कानपुर सेंट्रल से सुबह 8:10 बजे प्रस्थान करेगी। इसी क्रम में, गाड़ी संख्या 01926

मदुरई-कानपुर सेंट्रल स्पेशल ट्रेन 8 अगस्त से 29 अगस्त 2026 तक प्रत्येक शनिवार को कुल चार फेरे संचालित करेगी। यह ट्रेन मदुरई से सुबह 2:30 बजे रवाना होगी। इस स्पेशल ट्रेन का ठहराव पुखरायां, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ललितपुर, बीना, भोपाल, इटारसी, नागपुर, चंद्रपुर, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, रामगुंडम, वारंगल, खम्मम, विजयवाड़ा, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, रेनिगुंटा, काटपडी, जोलारपेट्टई, सालेम, नमक्कल, करूर और डिंडीगुल सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर होगा।

सागर में मकान बना अवैध शराब का गोदाम, 564 लीटर अवैध शराब जब्त, 35 पेटियां और बोरियों में छिपाकर रखी थी देशी-विदेशी शराब

मीडिया ऑडीटर सागर,(निप्र) । सागर जिले की गढ़ाकोटा पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान से 564.780 बल्क लीटर देशी और विदेशी शराब जब्त की है। पुलिस ने मौके से करीब 4 लाख 4 हजार 180 रुपए कीमत की शराब बरामद की है। हालांकि, कार्रवाई के दौरान आरोपी मकान मालिक फरार मिला। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई: गढ़ाकोटा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि बजरंग वार्ड स्थित एक मकान में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का भंडारण कर उसकी बिक्री की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी गौरव सिंह तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई और बताए गए पते पर दबिश दी गई। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो मकान में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। कमरों के दरवाजे अंदर से कुंडी लगे थे। पुलिस ने दरवाजे खोलकर तलाशी ली तो कमरे शराब के कार्टन और बोरियों से भरे मिले।

35 पेटियां और बोरियों में छिपाकर रखी थी शराब: तलाशी के दौरान पुलिस ने 35 पेटियों के अलावा बोरियों में भरकर रखी गई शराब बरामद की। जब्त शराब में कई नामी ब्रांड शामिल हैं। इनमें गोल्ड व्हिस्की, मैक डबल नंबर-1, बॉम्बे व्हिस्की, आईबी व्हिस्की, मैजिक मोमेंट्स, रॉयल स्टैग व्हिस्की, लीमाउंट स्ट्रॉन्ग बीयर समेत अन्य ब्रांड की देशी और विदेशी शराब शामिल है। पुलिस के अनुसार, कुल 564.780 बल्क लीटर शराब जब्त की गई है, जिसकी बाजार कीमत करीब 4.04 लाख रुपए आंकी गई है।

मकान मालिक के खिलाफ केस, फरार आरोपी की तलाश: जांच में सामने आया कि जिस मकान से शराब बरामद हुई, वह अब्दुल गनी पिता शुभराती खान, निवासी बजरंग वार्ड का है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके पर नहीं मिला, जिसके बाद उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

कहां से आई शराब, किसे होनी थी सप्लाई: पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब कहां से लाई गई थी और इसे किन क्षेत्रों में खपाने की तैयारी थी। साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। पुलिस सप्लाई चेन, खरीद-बिक्री और नेटवर्क की जांच कर रही है।थाना प्रभारी ने क्या कहा गढ़ाकोटा थाना प्रभारी गौरव सिंह तिवारी ने बताया कि मकान में बिक्री के उद्देश्य से अवैध शराब रखी गई थी। आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। मामले में यह भी जांच की जा रही है कि शराब की आपूर्ति किसके माध्यम से हुई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खरगोन में 24 घंटे में रिकॉर्ड 3.6 इंच बारिश

सतवाड़ा रपटे का अप्रोच बहा,कई गांवों का संपर्क टूटा, अगले 48 घंटे भारी बारिश का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर खरगोन,(निप्र) । मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। महज 24 घंटे में जिले में औसतन 3.6 इंच बारिश दर्ज की गई, जो इस मानसून सीजन ही नहीं बल्कि पिछले कई वर्षों में एक दिन में हुई सबसे अधिक वर्षा मानी जा रही है। सबसे ज्यादा 7.5 इंच बारिश गोगांवा में रिकॉर्ड हुई, जबकि कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गई और खेतों में खड़ी फसलें पानी में डूब गई।

लगातार बारिश के कारण कुंदा, वेदा और इंद्रावती नदियां उफान पर आ गईं। प्रशासन ने नदियों और जलभराव वाले क्षेत्रों पर निगरानी बढ़ा दी है।

रपटे का अप्रोच बहा, गांवों का संपर्क टूटा: तेज बारिश का सबसे अधिक असर सेगांव क्षेत्र के सतवाड़ा में देखने को मिला। यहां रपटे का अप्रोच बह जाने से कामोदवाड़ा गांव का संपर्क टूट गया। कई ग्रामीणों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले रास्तों से दूर रहने की अपील की है।

शहर के बाजार में भरा दो फीट पानी: खरगोन शहर भी बारिश से अछूता नहीं रहा। सराफा बाजार में करीब दो फीट तक पानी भर गया, जिससे दुकानों में पानी घुस गया और व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा। कई अन्य निचले इलाकों में भी जलभराव की स्थिति बनी रही।

खेतों में बिछीं फसलें, किसानों की बढ़ी चिंता: लगातार हुई तेज बारिश से भीकनगांव और गोगांवा क्षेत्र के कई खेत जलमग्न हो गए।

पानी भरने से कपास और मक्का की फसलें जमीन पर बिछ गईं, जिससे किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक बारिश का यही सिलसिला जारी रहा तो फसलों को और अधिक नुकसान

● गोगांवा में सबसे ज्यादा बारिश

पिछले 24 घंटे में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई वर्षा इस प्रकार रही-
गोगांवा - 7.5 इंच
बड़वाह - 4.4 इंच
खरगोन - 4 इंच
सेगांव - 4 इंच
भगवानपुरा - 3.5 इंच
भीकनगांव - 3.5 इंच
झिरन्या - 3.5 इंच
सनावद - 3 इंच
महेश्वर - 1.5 इंच
कसरावद - 1.5 इंच

● पिछले साल से आगे निकला मानसून

इस बारिश के साथ जिले में अब तक 15.7 इंच वर्षा दर्ज हो चुकी है। पिछले वर्ष इसी अवधि तक 11.6 इंच बारिश हुई थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 32.6 इंच है, यानी मानसून अभी अपने आधे सफर में ही औसत का लगभग आधा आंकड़ा पार कर चुका है।

● अगले 48 घंटे का अलर्ट

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों तक जिले में भारी बारिश की संभावना जताते हुए अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन ने नर्मदा सहित अन्य नदियों के जलस्तर पर निगरानी बढ़ा दी है। साथ ही निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से नदी-नालों के पास नहीं जाने की अपील की है।

स्टीफन फ्लेमिंग से कभी मिला नहीं

लेकिन उनके बारे में अच्छी बातें सुनी हैं: ओली रोबिन्सन

लंदन एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को अपना नया टेस्ट हेड कोच नियुक्त किया है। फ्लेमिंग की नियुक्ति को लेकर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रोबिन्सन का कहना है कि उन्होंने फ्लेमिंग के बारे में काफी अच्छी बातें सुनी हैं। टेस्ट क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रही इंग्लैंड टीम को फिर से ट्रैक पर लाने की जिम्मेदारी फ्लेमिंग के कंधों पर होगी। हाल ही में बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया, जिसके बाद जो रूट को इंग्लैंड टीम का नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, ब्रेंडन मैकुलम को भी टेस्ट में हेड कोच के पद से हटाया गया है। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में 2-1 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। रोबिन्सन ने 'द आई पेपर' के साथ बातचीत करते हुए कहा, 'किसी नए व्यक्ति का आना हमेशा कुछ नया और दिलचस्प होता है। मैं स्टीफन फ्लेमिंग से कभी मिला नहीं हूं, लेकिन मैंने उनके बारे में अच्छी बातें सुनी हैं। इसी वजह से यह देखना दिलचस्प होगा कि वह किस तरह की रणनीति अपनाते हैं। यह रोमांचक होगा। ' इंग्लिश तेज गेंदबाज ने आगे कहा, 'जब भी कोई बदलाव होता है, तो यह देखना हमेशा रोमांचक होता है कि चीजें कैसी होंगी और ग्रुप कैसे आगे बढ़ेगा। आखिरकार, मकसद क्रिकेट मैच जीतना ही होता है। मुझे लगता है कि शायद हम उस मकसद से थोड़ा भटक गए थे, लेकिन मैकुलम और बेन के साथ खेलना बहुत मजेदार और सुखद था। दुख की बात है कि वह दौर खत्म हो गया, लेकिन मैं उत्साहित हूं कि कोई नया व्यक्ति आ रहा है।' 19 अगस्त से शुरू होने वाली पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की आगामी टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद कर रहे रोबिन्सन ने माना कि स्टोक्स के अचानक रिटायरमेंट से ड्रेसिंग रूम हैरान रह गया था। 'मुझे लगता है कि जब उन्होंने रिटायरमेंट लिया तो हम सभी सचमुच थोड़े हैरान थे। मुझे बहुत दुख हुआ क्योंकि मुझे उनकी कप्तानी में और उनके साथ खेलना बहुत पसंद था। और अब ब्रेंडन मैकुलम भी चले गए हैं। जाहिर है कि उन्होंने कहा कि उन्हें मनचाहे नतीजे नहीं मिले, लेकिन उन दोनों के नेतृत्व में खेलना बहुत शानदार अनुभव था। यह अफसोस की बात है, लेकिन मुझे लगता है कि इंग्लिश क्रिकेट में ऐसा होता रहता है। मेरी पहली एशेज सीरीज़ क्रिस सिल्वरवुड की आखिरी सीरीज थी (2021-22 में कोच के तौर पर)। ऐसे दौर आते हैं जब बदलाव होता है और आप फिर से नई शुरुआत करते हैं। ' रोबिन्सन ने जून में लॉर्ड्स में सात विकेट लेकर शानदार वापसी की थी, लेकिन घुटने में दर्द के कारण अगले दो टेस्ट नहीं खेल पाए थे। अब वह पाकिस्तान सीरीज से पहले अपनी फिटनेस को बेहतर बनाने के लिए इंग्लैंड की मेडिकल टीम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉब की के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। 'सीजन की शुरुआत में मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं इंग्लैंड की टीम में वापस आ पाऊंगा। मुझे पता था कि अपनी मनचाही स्थिति में पहुंचने के लिए मुझे थोड़ी मेहनत करनी होगी, इसलिए मैंने अपनी फिटनेस और मजबूती पर काम करने के लिए चार हफ्ते का समय लिया। इसमें काफी दौड़ना और बाइक सेशन शामिल थे। मैं इस पर इंग्लैंड के साथ मिलकर काम कर रहा हूं। '

डीपीएल का नया सीजन शुरू होने से खुश हूं

उम्मीद है टूर्नामेंट और भी रोमांचक होगा: रोहन जेटली

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली और डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के प्रेसिडेंट रोहन जेटली ने कहा कि दिल्ली प्रीमियर लीग टूर्नामेंट (डीपीएल) पिछले सीजन के मुकाबले इस बार काफी बड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि राजधानी में क्रिकेट फैंस शुक्रवार से एक बार फिर इस लीग में कड़े और रोमांचक मुकाबलों का लुत्फ उठा सकेंगे। टूर्नामेंट का तीसरा सीजन शुक्रवार की शाम को पुरुषों के मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली किंग्स और पुरानी दिल्ली 6 के बीच मैच के साथ शुरू होगा। इससे पहले, एक शानदार ओपनिंग सेरेमनी होगी जिसमें सिंगर सुनंदा शर्मा और सुखबीर सिंह लाइव परफॉर्मेंस देंगे। रोहन जेटली ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'हमें दिल्ली प्रीमियर लीग का एक और सीजन शुरू करने में खुशी हो रही है। पिछले सीजन के मुकाबले यह टूर्नामेंट बहुत बड़ा हो गया है और खिलाड़ियों, फ्रेंचाइजी और फैंस का सपोर्ट बहुत जबरदस्त रहा है। हमें यकीन है कि यह सीजन और भी रोमांचक होगा, जिसमें बेहतरीन क्वालिटी का क्रिकेट, कड़े मुकाबले और अरुण जेटली स्टेडियम में शानदार माहौल देखने को मिलेगा। हम उम्मीद करते हैं कि बड़ी संख्या में फैंस आएंगे और टूर्नामेंट का मजा लेंगे।' 2022 में भारत की अंडर 19 वर्ल्ड कप टीम की कप्तानी करने वाले यश धुल सेंट्रल दिल्ली किंग्स की कमान संभाल रहे हैं। यश ने कहा कि उनकी टीम ने अच्छी तैयारी की है और वे मैदान पर उतरने के लिए बेताब हैं। 'टीम ने पिछले कुछ हफ्तों में बहुत अच्छी ट्रेनिंग की है और हर कोई नए सीजन के लिए उत्साहित है।

सिल्वर-ब्रॉन्ज जीतने के बावजूद मेडल टैली में दो पायदान नीचे खिसका भारत

ऑस्ट्रेलिया टॉप पर बरकरार

नई दिल्ली एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आठवां दिन भारत के लिए अच्छा रहा। देश कीझोली में एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल आया। हालांकि, दो मेडल जीतने के बावजूद मेडल टैली में भारत को दो पायदान का नुकसान झेलना पड़ा है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अब भारत के कुल 17 मेडल हो गए हैं, जिसमें 3 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। हालांकि, मेडल टैली में भारत आठवें स्थान से खिसकर अब 10वें नंबर पर आ गया है। आठवें दिन भारत को पहला मेडल वेटलिफ्टिंग में लवप्रीत सिंह ने दिलाया। उन्होंने 110 प्लस किलोग्राम वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 388 किलो का वजन उठाते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। लवप्रीत गोल्ड लाने से महज एक किलोग्राम से चूक गए। वहीं, विमेंस डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा कालीरमन ने देश को आठवें दिन का दूसरा मेडल ब्रॉन्ज के रूप में दिलाया। उन्होंने 58.65 का बेस्ट थ्रो फेंकने के साथ ही भारत को इस इवेंट का चौथा ब्रॉन्ज मेडल दिलवाया।

चुभी स्कूल में सहपाठी से मिली हार, इंजरी भी नहीं तोड़ सकी हौसला

कॉमनवेल्थ गेस में लगाया ब्रॉन्ज मेडल पर पंच

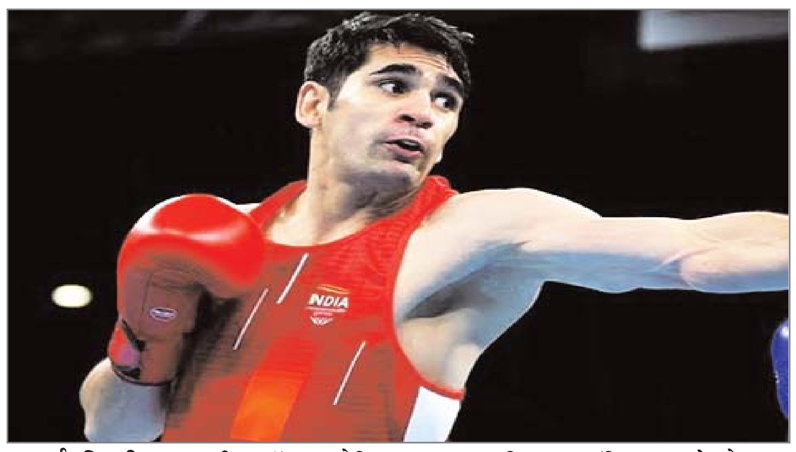

नई दिल्ली । भारतीय बॉक्सर रोहित टोकस अब किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज मेडल पर 'पंच' लगाते हुए उन्होंने विश्व स्तर पर अपनी काबिलियत को साबित किया। हालांकि, रोहित ने बॉक्सिंग की रिंग में उतरने का फैसला स्कूल में सहपाठी के खिलाफ मिली हार के बाद किया। रोहित टोकस का जन्म 1 अगस्त, 1993 को दिल्ली के मुनीरका में हुआ। रोहित बचपन में अपने भाइयों संग लड़ते-झगड़ते रहते थे। रोहित के घर के पास ही एक बॉक्सिंग अकादमी थी, जहां बिना कोई पैसा लिए ट्रेनिंग दी जाती थी। रोहित के पिता ने सभी भाइयों को इस अकादमी में ट्रेनिंग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी यह पहल रंग भी लाई। रोहित ने अपने भाइयों के साथ अकादमी जाना शुरू कर दिया। हालांकि, एक से दो साल ट्रेनिंग करने के बाद उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ तैराकी शुरू कर दी। रोहित का स्कूल बदला, तो कक्षा में उनकी मुलाकात एक सहपाठी से हुई, जो बॉक्सिंग की प्रैक्टिस किया करता था। रोहित ने अपने सहपाठी को 'शैडो बॉक्सिंग' करते देखा चैलेंज कर दिया। हालांकि, रोहित को इस मुकाबले में करारी हार मिली और यह हार उनको अंदर तक चुभ गई। रोहित अगले कुछ दिन स्कूल नहीं गए और उन्होंने दोबारा से बॉक्सिंग कोचिंग शुरू कर दी। रोहित ने सहपाठी बॉक्सर को बॉक्सिंग रिंग में हराने की ठानी। रोहित दिन-रात प्रैक्टिस करने में जुट गए और उन्होंने दिल्ली राज्य चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। दो महीने जबरदस्त ट्रेनिंग करने के बाद रोहित अपने स्कूल के उसी सहपाठी को रिंग में हराकर चैंपियन बने। साल 2010 में भारत में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान रोहित ने बॉक्सिंग में अपने करियर बनाने का फैसला किया। 2011 में रोहित ने नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जिसके बाद उन्हें नेशनल शिविर में जगह मिल गई। इसी साल रोहित ने क्यूबा युवा ओलंपिक में हिस्सा लिया और सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

बुलंदियों की तरफ बढ़ते रोहित के करियर पर चोटों ने ग्रहण सा लगा दिया। साल 2018 में घुटने की चोट के कारण वह क्वालीफाई करने के बावजूद एआईबीए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले सके। रोहित सर्जरी से गुजरे, लेकिन इसके बाद वह एक संक्रमण की चपेट में आ गए, जिसके कारण उन्हें एक और सर्जरी से गुजरना पड़ा। पूरी तरह से इंजरी से उबरने के बाद रोहित ने टोक्यो ओलंपिक के लिए तैयारी शुरू की। नेशनल चैंपियनशिप में रोहित ने शानदार प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ओलंपिक टिकट के सबसे बड़े दावेदार नजर आ रहे आशीष कुमार को हराकर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। हालांकि, सेमीफाइनल में एक बार फिर उनका वही घुटना दोबारा से चोटिल हो गया। वह नेशनल चैंपियन तो बने, लेकिन चोट ने गंभीर रूप ले लिया।ओलंपिक में खेलने का सपना टूटने के बाद रोहित कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में उतरे। हालांकि, टूर्नामेंट के पहले मुकाबले से पहले रोहित के उसी घुटने में एक बार फिर चोट लग गई, जिसके कारण वह लंबे समय तक बाहर रहे थे।

चार साल के बेटे की मां और पीएचडी स्कॉलर सीमा कालीरमन ने दिलाया ब्रॉन्ज मेडल

नई दिल्ली । बड़ी पुरानी कहावत है, जहां चाह वहां राह। यह लाइनें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिला डिस्कस थ्रो में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली एथलीट सीमा कालीरमन पर फिट बैठती हैं। चार साल के बेटे की जिम्मेदारी, पीएचडी की पढ़ाई के साथ खेल के प्रति ऐसा जुनून उन्हें बाकी एथलीटों से अलग बनाता है। सीमा का सबसे बड़ा सहारा पति रविंदर भी बने, जिनकी कोचिंग में वह देश का नाम रोशन करने में कामयाब हो सकीं। हालांकि, सीमा का ब्रॉन्ज मेडल जीतने तक का सफर चुनौतियों से भरा रहा। चोट, प्रेग्नेंसी और तमाम तरह की चुनौतियों के बावजूद सीमा ने कभी अपना हौसला कम नहीं होने दिया। जब-जब जिंदगी ने खेल को उनसे दूर करने की कोशिश की तो सीमा ने हर बार शानदार वापसी की। डिस्कस थ्रो के फाइनल में 27 साल की इस एथलीट के छह राउंड में से केवल दो ही थ्रो सही (वैलिड) हो पाए, क्योंकि बार-बार डिस्कस साइड नेटिंग में फंस जा रहा था। यह पोडियम सीमा के लिए पहला बड़ा इंटरनेशनल मेडल रहा।

● **उन्होंने कहा–** सीमा को उनके पति रविंदर कालीरमन कोचिंग देते हैं। रविंदर खुद भारत के जाने-माने डिस्कस थ्रो एथलीट रहे हैं और उन्होंने भारतीय अंडर-18 और अंडर-20 चैंपियनशिप में डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल जीते थे। सीमा अपने स्पोर्ट्स करियर के साथ-साथ चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी (सीबीएलयू), भिवानी से फिजिकल एजुकेशन में पीएचडी भी कर रही हैं। उनके एथलेटिक करियर को तब बड़ा झटका लगा था, जब घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें तीन साल से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा।

वर्ल्ड स्वैश जूनियर चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष टीम को ब्रॉन्ज से करना पड़ा संतोष, सेमीफाइनल में अमेरिका ने मारी बाजी

ओंटारियो एजेंसी। वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर टीम चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष टीम को लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। सेमीफाइनल में भारतीय टीम को अमेरिका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती कड़े मुकाबले में गुरवीर सिंह को ब्रेंडन टैग्लियारिनी ने 7-11, 12-10, 9-11, 7-11 से हराया, जबकि नंबर 1 खिलाड़ी आर्यवीर दीवान को यासीन शलाबी ने 5-11, 7-11, 5-11 से हराकर भारतीय टीम के सफर को टूर्नामेंट में समाप्त कर दिया। हालांकि, यह पहली बार है जब किसी भारतीय टीम ने वर्ल्ड जूनियर टीम प्रतियोगिता में लगातार मेडल जीते हैं। पिछले सीजन भी भारतीय पुरुष टीम ने ब्रॉन्ज पर कब्जा जमाया था। शुरुआती मैच में, अपना 17वां जन्मदिन मना रहे टैग्लियारिनी ने गुरवीर के खिलाफ 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की और अमेरिका को शुरुआती बढ़त दिलाई। उन्होंने 11-7, 9-11, 6-11, 11-7, 11-3 से जीत हासिल की। अमेरिका के पक्ष में मोमेंटम होने के कारण, नंबर 1 खिलाड़ी शलाबी ने दूसरे मैच में तेज शुरुआत की और आर्यवीर पर 3-0 से जीत के साथ टाई और फाइनल में जगह पक्की कर ली।

मैच के बाद टैग्लियारिनी ने कहा मैंने पूरी ताकत से मुकाबला किया और उन्होंने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने के लिए प्रेरित किया। मैं बस खुद से कहता रहा कि मैं यह कर सकता हूं और मेरे कोच निक टेलर ने इसमें मेरी मदद की। टीम के लिए जीत हासिल करना बहुत अच्छा लग रहा है।' वहीं, आर्यवीर दीवान के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद यासीन शलाबी ने कहा, 'यह अद्भुत है, भारत एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी है। उन्होंने कल इंग्लैंड को हराया था और उनमें यह साबित करने की काबिलियत है कि वे क्यों सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने आगे कहा मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मैं अपने साथियों और दोस्तों के साथ मिली इस जीत से बहुत खुश हूं, क्योंकि उनके बिना यह संभव नहीं होता। हम सब एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और सच में

श्रीजा अकुला : बड़ी बहन से मिली प्रेरणा

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर का खिताब जीत रचा इतिहास

दिल्ली एजेंसी। श्रीजा अकुला की गिनती भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ियों में की जाती है। शुरुआती संघर्ष के बाद श्रीजा ने इस खेल में अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर पहचान बनाई। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में शरथ कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता। इसके साथ ही वह डब्ल्यूटीटी कंटेंडर स्तर पर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। श्रीजा का जन्म 31 जुलाई, 1998 को हैदराबाद में हुआ। श्रीजा के पिता एक निजी बीमा कंपनी में प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। श्रीजा की बड़ी बहन रावली कॉलेज स्तर पर टेबल टेनिस खेलती थीं और उन्होंने ही श्रीजा को इस खेल से परिचित कराया। बड़ी बहन के साथ मिलकर उन्होंने टेबल टेनिस की बारीकियों को सीखा। इसके बाद उन्होंने सोमनाथ घोष की अकादमी में दाखिला लिया और टेबल टेनिस में करियर बनाने का फैसला किया। हालांकि, श्रीजा पढ़ाई में भी काफी अच्छी थीं। उन्होंने 12वीं कक्षा में 98.7 प्रतिशत अंक हासिल किए।

साल 2019 में श्रीजा ने साउथ एशियाई खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए महिला युगल और टीम स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीते। वहीं, अप्रैल 2022 में सीनियर नेशनल और अंतर-राज्यीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भी अपना जलवा बिखेरते हुए एकल और युगल दोनों खिताब अपने नाम किए। हालांकि, श्रीजा के करियर के लिहाज से साल 2022 सबसे महत्वपूर्ण साबित हुआ। इसी साल कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने दिग्गज खिलाड़ी शरथ कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल स्पर्धा में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस प्रदर्शन ने श्रीजा को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। जनवरी 2024 में श्रीजा ने टेक्सास में खेली गई डब्ल्यूटीटी (विश्व टेबल टेनिस) फीडर कॉर्पस क्रिस्टी प्रतियोगिता में अपना पहला डब्ल्यूटीटी एकल जीता। वहीं, जून 2024 में नाइजीरिया के लागोस शहर में आयोजित हुए डब्ल्यूटीसी कंटेंडर टूर्नामेंट में श्रीजा ने चीन की डिंग यिजिये को 4-1 से हराते हुए खिताब पर कब्जा जमाया।

रियल मैड्रिड ने लेवांते के स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को किया साइन

5 साल का हुआ

मैड्रिड एजेंसी। रियल मैड्रिड फुटबॉल क्लब ने लेवांते से स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को लगभग 25 मिलियन यूरो की फीस पर साइन किया है। इस बात की जानकारी रियल मैड्रिड ने अपनी वेबसाइट पर दी है। क्लब ने बताया, 'रियल मैड्रिड और लेवांते के बीच डील पक्की हो गई है। लेवांते के खिलाड़ी कार्लोस एस्पी अब रियल मैड्रिड के लिए खेलेंगे। उन्होंने क्लब के साथ 5 साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। यानी वो 30 जून, 2031 तक रियल मैड्रिड का हिस्सा रहेंगे। रियल मैड्रिड ने आगे कहा, '21 साल के कार्लोस एस्पी ने लेवांते के लिए तीन सीजन खेले हैं, जिसमें उन्होंने 66 मैचों में हिस्सा लिया और 20 गोल किए। पिछले सीजन में उन्हें लीग का सर्वश्रेष्ठ अंडर-23 खिलाड़ी चुना गया था।' एस्पी ने पिछले सीजन में लेवांते के लिए 27 मैचों में 13 गोल किए। इनमें से ज्यादातर गोल सीजन के आखिरी हफ्तों में हुए, जब उन्होंने क्लब को रेलीगेशन (निचली लीग में जाने) से बचाने में अहम भूमिका निभाई। 21 वर्षीय एस्पी को अपने क्लब में शामिल करने के लिए विल्लारियल और प्रीमियर लीग के कई क्लबों ने दिलचस्पी दिखाई थी। लेवांते ने चोट के जोखिम को कम करने के लिए उन्हें प्री-सीजन फ्रेंडली मैचों से बाहर रखा था। कार्लोस एस्पी रियल मैड्रिड में

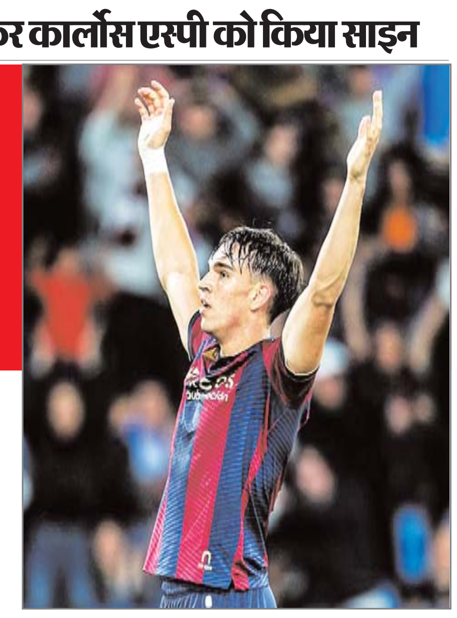

ठीक उसी वक्त आए हैं जब क्लब अपने स्ट्राइकर गोंजालो गार्सिया को बेचने के करीब है। गोंजालो की डील फुलहम के साथ लगभग 40 मिलियन यूरो में फाइनल होने वाली है। एस्पी की एंट्री क्लब में ऐसे समय में हो रही है जब रियल मैड्रिड स्ट्राइकर गोंजालो गार्सिया को लगभग 40 मिलियन यूरो में फुलहम को बेचने के करीब है। हालांकि, यह अभी साफ नहीं है कि एस्पी को अगले सीजन में मैड्रिड की फर्स्ट-टीम स्क्वाड में शामिल किया जाएगा या टॉप-फ्लाइट अनुभव हासिल करने के लिए उन्हें लोन पर भेजा जाएगा। एस्पी इस गर्मी में रियल मैड्रिड द्वारा साइन किए गए पांचवें खिलाड़ी हैं। इससे पहले, क्लब मार्क कुकुरेला, बर्नार्डो सिल्वा, इब्राहिमा कोनाटे और डेन्जेल डमफ़्रीज को भी साइन कर चुका है।

सडक सुरक्षा के सुधारात्मक उपाय कर दुर्घटनाओं में केजुयल्टी की संख्या घटायें

चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट और दो पहिया वाहन चालक हेलमेट लगाये सुप्रीम कोर्ट आन रोड सेफ्टी कमेटी के सभापति सप्रे ने ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी के सभापति एवं पूर्व न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में जिला रोड सेफ्टी की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिले में सडक सुरक्षा मानकों को मजबूत करने, ब्लैक स्पाट की समीक्षा और दुर्घटनाओं में कमी लाकर केजुयल्टी की संख्या को कम करने के उपायों पर चर्चा की गई न्यायमूर्ति सप्रे ने जिले में सडक दुर्घटनाओं के 5 वर्ष के आकडे ब्लैक स्पाट के सुधार कार्यो, यातायात नियमों के पालन और जन जागरूकता के कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, जीतेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाडिया, सुभाष मिश्रा, सुमेश द्विवेदी, डीएसपी ट्रैफिक संजय खरे, आरटीओ रवि बरेलिया, सडक विभागों, एनएचपीडब्ल्यूडी, एनएचएआई, एमपीआरडीसी, लोक निर्माण, उपायुक्त नगर निगम सत्यम मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे न्यायाधीश सप्रे ने बताया कि देश भर में सडक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध तरीके से दुर्घटनाओं में कमी लाने और सडक सुरक्षा को बढावा देने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप इस रोड सेफ्टी कमेटी का गठन किया गया है। इस समिति को रोड सेफ्टी की दिशा में कार्य करने की जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट द्वारा सौंपी गई है इस दिशा में कार्य करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे है उन्होंने कहा कि जीवन को सुरक्षित करना एवं लोगों की जान बचाना हम सभी का दायित्व है वर्तमान में वाहनों/गाडियों की संख्या बढ रही है। जिससे सडक दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है वाहन चालक एवं सडक पर चलने वाला प्रत्येक व्यक्ति दोनों सुरक्षा नियमों का पालन करें जिससे दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। दुर्घटनाओं में मृत्यु का मुख्य कारण ओवर स्पीड लांग ड्राइविंग, सील्ट नहीं बांधना तथा हेलमेट नहीं पहनना है। दुर्घटनाओं के मामले में पूरे देश में मध्यप्रदेश दूसरे नम्बर पर तथा सतना जिला सहित 5 जिलों में दुर्घटना में सबसे अधिक मृत्यु हो रही है सडक दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में प्रत्येक व्यक्ति को जागृत करने के प्रयास किये जाये। दो पहिया वाहन चालक हेलमेट अनिवार्य रूप से पहने और चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाये सप्रे ने कलेक्टर से कहा कि जिला मुख्यालय तहसील, विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर के सभी अधिकारी-कर्मचारियों जो दो पहिया वाहन चलाते है वे अनिवार्य रूप से हेलमेट पहन कर आये तभी उन्हें कार्यालय परिसर में प्रवेश दिया जायेगा सभी एजुकेशन इंस्टीटयूट अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को दो पहिया वाहन चलाने पर हेलमेट पहनना अनिवार्य करें पेट्रोल पम्प मालिक बिना हेलमेट पहनने वाले वाहन चालकों को पेट्रोल का विक्रय नहीं करें दो पहिया वाहनो के डीलर वाहन बिक्री के समय ग्राहक को हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाने के लिए प्रेरित करें तथा हेलमेट भी प्रदाय करें स्कूल, कॉलेजों में रोड सेफ्टी के संबंध में जागरूकता के कार्यक्रम और लोगों में जागृति लाने के लिए रैली निकालकर लोगों को समझाइश दें।

सतना की बेटी डॉ. रविता सिंह ने बढ़ाया जिले का मान, MPPSC में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के लिए गौरव का क्षण है सतना की बेटी डॉ. रविता सिंह पिता रामनरेश सिंह, निवासी बगहा का चयन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) द्वारा आयोजित परीक्षा में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए हुआ है उनकी इस उपलब्धि से परिवार, गांव और पूरे जिले में खुशी का माहौल है डॉ. रविता सिंह ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर यह सफलता हासिल की है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मुकाम हासिल करना उनकी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। उनकी सफलता से क्षेत्र की बेटियों और युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी परिजनों ने बताया कि रविता बचपन से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और मेहनती रही हैं। उन्होंने अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए लगातार परिश्रम किया और कठिन परिस्थितियों में भी अपनी तैयारी जारी रखी। उनकी इसी मेहनत का परिणाम है कि आज उन्होंने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है रविता सिंह के चयन की जानकारी मिलते ही बगहा सहित आसपास के क्षेत्र में बधाई देने वालों का तांता लग गया परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की डॉ. रविता सिंह की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है बल्कि पूरे सतना जिले के लिए प्रेरणादायक है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और समर्पण के साथ किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई है कि वे अपने ज्ञान और सेवाभाव से शिक्षा जगत में नई पहचान स्थापित करेंगी।

इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड में चयनित हुए आर्यमन सिंह मयंक, सतना का बढ़ाया गौरव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के ग्राम पिंडरा के मूल निवासी आर्यमन सिंह मयंक का चयन भारत सरकार के प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रम इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (EIL), गुरुग्राम में होने पर पूरे जिले में खुशी का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है आर्यमन सिंह मयंक एक प्रतिष्ठित परिवार से संबंध रखते हैं वे सेवानिवृत्त उपसंचालक कृषि मोहन सिंह के पौत्र हैं। उनके पिता नीरज रश्मि सिंह इंजीनियर हैं और वर्तमान में उज्जैन-जावरा टोल प्राइवेट लिमिटेड में मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं आर्यमन ने अपनी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के बल पर यह सफलता हासिल कर परिवार के साथ-साथ सतना जिले का नाम भी गौरवान्वित किया है इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (EIL) भारत सरकार का एक प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम है जो ऊर्जा, पेट्रोलियम, गैस रिफाइनरी, उर्वरक, आधारभूत संरचना तथा औद्योगिक परियोजनाओं के डिजाइन, इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी संस्थानों में शामिल है ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान में चयन युवा इंजीनियरों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता हैआर्यमन की सफलता पर ग्राम पिंडरा सहित पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है परिजनों मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परिवार ने कहा कि कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर प्राप्त यह सफलता अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी इस अवसर पर पंकज सिंह, डॉ. शैलेन्द्र सिंह (एडवोकेट), सत्येंद्र सिंह, धर्मदेव सिंह, आरती सिंह एवं नूतन सिंह सहित परिवार के सदस्यों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने आर्यमन सिंह मयंक को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल भविष्य की कामना की। उनकी उपलब्धि को सतना जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

नारायण तालाब में 1 अगस्त को होगा वृहद पौधारोपण, अमृत हरित महाअभियान के तहत जुटेंगे नागरिक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर को हरित और पर्यावरण समृद्ध बनाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम सतना द्वारा मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन में संचालित अमृत हरित महाअभियान एवं 'एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 1 अगस्त 2026 (शनिवार) को वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा यह कार्यक्रम प्रातः 10 बजे वार्ड क्रमांक-22 स्थित नारायण तालाब (एयरपोर्ट के पास) आयोजित होगा। कार्यक्रम में महापौर योगेश ताम्रकार एवं निगम स्पीकर राजेश चतुर्वेदी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी पौधारोपण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य विद्यार्थी एवं पर्यावरण प्रेमी बड़ी संख्या में शामिल होंगे इस दौरान अधिक से अधिक पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से नागरिकों को अपनी मां के सम्मान में पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य शहर के हरित क्षेत्र में वृद्धि करना, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और हरित सतना का निर्माण करना है महापौर योगेश ताम्रकार ने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं एवं पर्यावरण प्रेमियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पौधारोपण करने और अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 का रोस्टर निर्धारित प्रत्येक शुक्रवार को अधिकारी करेंगे क्षेत्र भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रदेश भर में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 का संचालन 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक किया जाएगा। इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने निर्देश जारी करते हुए जिले के लिए तहसील एवं विकासखंडवार रोस्टर भी निर्धारित किया है। इस अभियान के दौरान प्रत्येक सप्ताह के शुक्रवार को जिले में क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस दिन (अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर) किसी भी स्तर पर समीक्षा बैठकों का आयोजन नहीं किया जाएगा, जिससे अधिकारी सीधे जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर सकें सतना जिले अंतर्गत मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के सुचारू संचालन हेतु रोस्टर निर्धारित किया गया है। इस दौरान 7 अगस्त को नागौद, 14 अगस्त को रघुराजनगर (सिटी), 21 अगस्त को मझगवां, 11 सितम्बर को उचेहरा, 18 सितम्बर को सोहावल तथा 25 सितम्बर को रामपुर बाघेलान में अभियान के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर द्वारा सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित रोस्टर के अनुसार आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें तथा अभियान से संबंधित जानकारी निर्धारित प्रारूप में संकलित कर समय पर कलेक्ट्रेट कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें अभियान के अंतर्गत कलेक्टर सतना के नेतृत्व में सभी विभागों के अधिकारी चिन्हित क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों को कवर किया जाए, ताकि जिले के सभी हिस्सों तक प्रशासन की पहुंच हो सके। भ्रमण के दौरान जनसंवाद आयोजित कर आम नागरिकों की समस्याएं सुनी जाएंगी और उनका त्वरित निराकरण किया जाएगा। अभियान के तहत सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा।

पूर्व पार्षद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मो. इकबाल माई डियर का इंतकाल, क्षेत्र में शोक की लहर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नजीराबाद वार्ड क्रमांक 35 के पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मो. इकबाल माई डियर का गुरुवार देर रात निधन हो गया उनके इंतकाल की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और बीमारी के कारण उनका निधन हुआ मो. इकबाल माई डियर ने अपने राजनीतिक जीवन में वार्ड के विकास और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई पूर्व पार्षद के रूप में उन्होंने क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए और आम लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई कांग्रेस संगठन में भी वे लंबे समय तक सक्रिय रहे और पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में उनकी गिनती होती थी उनके निधन पर कांग्रेस नेताओं सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की लोगों ने कहा कि मो. इकबाल माई डियर सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और जनसेवा के लिए हमेशा याद किए जाएंगे परिजनों के अनुसार शुक्रवार को बाद नमाज जुमा दोपहर करीब 2 बजे उन्हें पूरे सम्मान के साथ टिकुरिया टोला स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया जाएगा अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के शामिल होने की संभावना है मो. इकबाल माई डियर के निधन से क्षेत्र ने एक अनुभवी जनसेवक और सामाजिक सरोकारों से जुड़े व्यक्तित्व को खो दिया है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर स्टैंडिंग कमेटी की बैठक, राजनीतिक दलों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची के पुनरीक्षण तथा 1 जनवरी 2026 की आधार तिथि के अनुसार मतदाता सूची के प्रकाशन को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार मैहर में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजना जैन ने की बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, नगरपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजना जैन ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, पात्रता के मापदंड तथा मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को अधिक से अधिक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए सभी संबंधित पक्षों का सहयोग आवश्यक है उन्होंने राजनीतिक दलों एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे सूची का परीक्षण कर पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, अपात्र नामों के विलोपन तथा आवश्यक संशोधनों के संबंध में समय-सीमा के भीतर सुझाव एवं आपत्तियां प्रस्तुत करें बैठक के दौरान नगरीय क्षेत्र की अद्यतन मतदाता सूची की प्रतियां मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गईं। प्रतिनिधियों से कहा गया कि वे अपने स्तर पर मतदाता सूची का परीक्षण कर आवश्यक सुझाव उपलब्ध कराएं जिससे पुनरीक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाया जा सके अधिकारियों ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित समय-सारणी के तहत किया जा रहा है इसका उद्देश्य आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुचारू रूप से संपन्न कराना है बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने मतदाता सूची को व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करने की बात कही। प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी पक्षों के सहयोग से पुनरीक्षण कार्य समय पर पूर्ण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026

मुख्यमंत्री सुनेंगे ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज चिन्हित शिकायतकर्ताओं की समस्याएँ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रथम जन-विश्वास दौरे पर शुक्रवार 7 अगस्त, 2026 को छिंदवाड़ा में आयोजित जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम में शामिल होंगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज चिन्हित शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं के निराकरण की समीक्षा करेंगे समाधान कार्यक्रम के लिये शिकायतों का चयन कर उनका प्राथमिक स्तर पर परीक्षण एवं निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है निराकृत शिकायतों के आधार पर चयनित शिकायतकर्ताओं को मुख्यमंत्री के समक्ष आमंत्रित किया जाएगा जहाँ वे स्वयं उनसे संवाद कर समाधान की स्थिति की समीक्षा भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिला स्तरीय विकास कार्यों एवं शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक भी करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिले के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ उद्योग संवाद में भी भाग लेंगे मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन और नागरिकों के बीच विश्वास को सुदृढ़ करना शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण को सुनिश्चित करना और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करना है मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह जन-विश्वास दौरा नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद एवं उत्तरदायी सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

स्वच्छ पेयजल के लिए निगम का अभियान तेज, सतना की 9 पानी टंकियों की सफाई पूरी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहरवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम सतना द्वारा पेयजल टंकियों और जल शोधन संयंत्रों की सफाई, धुलाई एवं कीटाणुशोधन का अभियान लगातार जारी है। 23 जुलाई से शुरू हुए इस विशेष अभियान के तहत अब तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 9 पेयजल टंकियों की सफाई एवं कीटाणुशोधन का कार्य पूरा किया जा चुका है अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को अशोक विहार पेयजल टंकी की वैज्ञानिक पद्धति से सफाई की गई इस दौरान टंकी की आंतरिक सतह की गहन सफाई, कीटाणुशोधन एवं आवश्यक तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी की गईं सफाई के बाद जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण भी कराया गया, ताकि नागरिकों को बेहतर पेयजल उपलब्ध कराया जा सके नगर निगम द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार आगामी दिनों में धवारी, जवाहर नगर, सिविल लाइन, बगहा, परेरी, फिल्टर प्लांट (डब्ल्यूटीपी), सांसद निवास, ट्रांसपोर्ट नगर, नजीराबाद सहित अन्य पेयजल टंकियों एवं संयंत्रों की चरणबद्ध सफाई की जाएगी महापौर ने नागरिकों से अपील की है कि जिन क्षेत्रों में सफाई कार्य प्रस्तावित है, वहां जलापूर्ति अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकती है। इसलिए नागरिक आवश्यकतानुसार पहले से पेयजल का भंडारण कर निगम के इस जनहितैषी अभियान में सहयोग करें नगर निगम का यह अभियान शहर में बेहतर जल व्यवस्था और नागरिकों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

39 वर्षों की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए जिला पंचायत के स्टेनो सुधीर कुमार गर्ग, भावभीनी विदाई देकर किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला पंचायत सतना के स्टेनो सुधीर कुमार गर्ग के लगभग 39 वर्षों की दीर्घ, समर्पित एवं उत्कृष्ट शासकीय सेवा पूर्ण होने पर जिला पंचायत सभाकक्ष में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके सेवाकाल को याद करते हुए सम्मानपूर्वक विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की विदाई समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने कहा किसुधीर कुमार गर्ग ने अपने लंबे शासकीय सेवाकाल के दौरान पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उनकी कार्यकुशलता, सहज एवं सौम्य व्यवहार तथा कार्य के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा प्रेरणादायी रही है कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों नेगर्ग के साथ अपने अनुभव साझा किए उन्होंने कहा किगर्ग का सरल स्वभाव, सहयोगात्मक कार्यशैली और सभी के प्रति सम्मानजनक व्यवहार कार्यालयीन वातावरण को बेहतर बनाने में सहायक रहा। उनके अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ लंबे समय तक कार्यालय परिवार को मिलता रहा अपने विदाई उद्बोधन मेंसुधीर कुमार गर्ग ने कहा कि उन्हें सतना जिले में जिला पंचायत के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सहकर्मियों के साथ कार्य करने का अवसर मिला यह उनके लिए गर्व और संतोष का विषय है उन्होंने अपने सेवाकाल के दौरान मिले सहयोग और स्नेह के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा में टीमवर्क, आपसी सहयोग और समर्पण ही सफलता की मुख्य कुंजी है सेवा अवधि के दौरान प्राप्त अनुभवों को वे सदैव स्मरण रखेंगे समारोह के अंत में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेसुधीर कुमार गर्ग को स्मृति चिन्ह एवं शाल-फल भेंट कर सम्मानित किया उन्होंने उनके स्वस्थ, सुखद और सफल जीवन की कामना करते हुए कहा कि लंबे समय तक ईमानदारी और निष्ठा से दी गई सेवाएं हमेशा याद रखी जाती हैं कार्यक्रम में जिला कोषालय अधिकारी सुशील कुमार मिश्रा, जनसंपर्क अधिकारी राजेश सिंह, परियोजना अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गौरव शर्मा, सीईओ जनपद ओपी अस्थाना, अशोक मिश्रा, भारती दीक्षित, सहायक परियोजना अधिकारी अवधेश सिंह शिवरतन सिंह सीपी तिवारी सहित जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी एवंगर्ग के परिवारजन उपस्थित रहे विदाई समारोह के दौरान सभी नेगर्ग के सेवाभावी व्यक्तित्व और कार्यों की सराहना करते हुए उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा किगर्ग की कार्यशैली और व्यवहार हमेशा प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।